वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 9 ● अंक 66 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 1 मई 2021 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

देश में कोरोना ने मचाई तबाही, एक दिन में 386452 लोग संक्रमित

24 घंटे में 3498 मरीजों की मौत, महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक, यूपी की हालत ज्यादा खराब

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । देश में पिछले 24 घंटे में कोविड19 के अब तक के सर्वाधिक 3,86,452 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,87,62,976 हो गयी।

इसके साथ ही देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 31 लाख को पार कर गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 3,498 और मरीजों की मौत हो जाने से संक्रमण के कारण अब तक दम तोड़ चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,08,330 हो गई।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और अब यह बढ़कर 31,70,228 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों

का 16.90 प्रतिशत है। लोगों के ठीक होने की दर गिरकर 81.99 प्रतिशत हो गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक 1,53,84,418 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि, मृत्यु दर 1.11 प्रतिशत है। देश में कोविड19 के मरीजों की संख्या पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख को पार कर गई थी। वहीं कोविड19 मरीजों की संख्या 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के आंकड़े को पार कर गई थी। इसके बाद 28 सितंबर को कोविड19 के मामले 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख, 19 दिसंबर को एक करोड़ और 19 अप्रैल को कोविड 19 के मामले 1.5 करोड़ से अधिक हो गए थे।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक 29 अप्रैल तक 28,63,92,086 नमूनों की जांच की गई है जिनमें से 19,20,107 नमूनों की बृहस्पतिवार को जांच की गई। पिछले 24 घंटे में 3,498 और लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 771, दिल्ली में 395, उत्तर प्रदेश में 295, कर्नाटक में 270, छत्तीसगढ़ में 251, गुजरात में 180, राजस्थान में 158, झारखंड में 145, पंजाब में 137 और तमिलनाडु में 107 लोगों की मौत हुई है।

देश में संक्रमण के कारण अब तक कुल 2,08,330 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से महाराष्ट्र में 67,985, दिल्ली में 15,772, कर्नाटक में 15,306, तमिलनाडु में 13,933, उत्तर प्रदेश में 12,238, पश्चिम बंगाल में 11,248, पंजाब में 8,909 और छत्तीसगढ़ में 8,312 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में से 70 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित थे।

दिल्ली में 24 घंटे में आए कोरोना के 27 हजार से अधिक नए केस, 375 मरीजों की मौत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना का कहर जारी है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शुक्रवार की रात करीब साढ़े 10 बजे जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 27,047 नए मामले आए हैं 375 मरीजों की मौत हुई है। इतने ही समय में 25,288 मरीज संक्रमण से उबरे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में अब तक 1149333 लोग संक्रमित हुए हैं और 16147 मरीजों की मौत हुई है। दिल्ली में एक दिन में 20 अप्रैल को सबसे अधिक 28395 लोग संक्रमित हुए थे। गुरुवार को एक दिन में सबसे अधिक 395 मरीजों की मौत हुई थी। कोरोना के कहर के बीच आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक मई से 1844 आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण कार्यक्रम शुरू नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अगले एकदो दिनों में करीब तीन लाख कोविशील्ड टीके मिलेंगे और 18 साल से अधिक आयु वाले लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू होगा।

देशभर में 18 से 44 वर्ष की आयु वर्ग वाले लोगों के लिए कोविड19 टीकाकरण अभियान एक मई से शुरू होगा। हालांकि दिल्ली और कुछ अन्य राज्यों ने कहा है कि टीकों की कमी के कारण वे टीकाकरण अभियान शुरू नहीं कर पाएंगे। सीएम केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार ने तीन महीनों में कोविशील्ड और कोवैक्सीन में प्रत्येक की 67 लाख खुराकों का ऑर्डर दिया है।

कोविड19: फ्रंट लाइन के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए बीमा योजना 6 महीने के लिए बढ़ाई गई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि कोविड19 महामारी से निपटने में लगाए गए फ्रंट लाइन के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष रूप से शुरू की गई बीमा योजना को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभिन्न अधिकार संपन्न समूहों के कामकाज की समीक्षा के लिए बैठक की। एक बयान के मुताबिक मोदी ने अधिकारियों से यह पता लगाने के लिए कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर दबाव कम करने के लिए सिविल सोसाइटी के स्वयंसेवकों का उपयोग किस तरह किया जा सकता है। गौरतलब है कि सरकार कोविड19 के रोकथाम के लिए अपने उपायों को तेज करना चाहती है। पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसके दौरान विभिन्न अधिकार प्राप्त

समूहों के कामकाज की समीक्षा की गई। ये अधिकार प्राप्त समूह कोविड राहत के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दे रहे हैं और लोगों की मदद कर रहे हैं। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि एनजीओ मरीजों, उनके आश्रितों और स्वास्थ्य सेवा कर्चमारिचों के बीच कड़ी बन सकते हैं, जबकि घर में अलग रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों की मदद के लिए पूर्व कर्मचारी कॉल सेंटर के जरिए मदद कर सकते हैं। बयान के मुताबिक मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार को राज्यों के साथ तालमेल बनाकर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि गरीबों को बिना किसी परेशानी के मुफ्त खाद्यान्न योजना का लाभ मिले। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबित बीमा दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि मृतक के आश्रित को समय से राहत मिल सके। आर्थिक और कल्याण उपायों पर अधिकार प्राप्त समूह ने मोदी के समक्ष प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्ना योजना को बढ़ाने जैसे उपायों पर एक प्रस्तुति दी।

गोवा में कोविड-19 पाबंदियां सख्ती से लागू

पणजी, 30 अप्रैल। तटीय राज्य गोवा में कोविड19 के बढ़ते मामलों को काबू में करने के लिए लगाये गये चार दिन के लॉकडाउन के दौरान शुक्रवार को लोग घरों के अंदर ही रहे और सड़कें सूनी दिखीं। कोविड19 संबंधी पाबंदियां बृहस्पतिवार रात नौ बजे से लागू हो गयीं जो सोमवार (तीन मई) सुबह छह बजे तक लागू रहेंगी। राज्य सरकार ने कहा कि इस दौरान सभी जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सड़कों पर इक्कादुक्का ही वाहन दिखे और पाबंदियों को लागू करने के लिए विशेष कर शहरी इलाकों में सख्त निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोग सहयोग कर रहे हैं और वे अपनेअपने घरों के अंदर ही हैं।

कोविड19 की दूसरी लहर के दौरान गोवा में कोविड19 के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है जिसके कारण राज्य प्रशासन ने लोगों की आवाजाही और अन्य सार्वजनिक गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों से कहा, लोगों के संपर्क में रहिये, उनकी राय लीजिए

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल । कोविड 19 संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रियों से अनुरोध किया कि वे अपने क्षेत्रों में लोगों के संपर्क में रहें, उनकी मदद करें और उनसे स्थिति के बारे में जानकारी लेते रहें।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मंत्रिपरिषद् की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने स्थानीय स्तर पर मुद्दों की त्वरित पहचान और निस्तारण सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी बल दिया। बयान में कहा गया कि देश में कोविड19 की दूसरी लहर से पैदा हुई स्थिति पर चर्चा के लिये इस बैठक का डिजिटल तरीके से आयोजन हुआ था।

इसमें कहा गया कि महामारी ने सदी में एक बार आने वाले संकट जैसे हालात बना दिये हैं और दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की है। इसमें कहा गया कि मंत्रिपरिषद् को अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन

सुविधाओं की संख्या बढ़ाने और ऑक्सीजन व अन्य जरूरी दवाओं की उपलब्धता से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिये उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके की मदद के लिये मुफ्त अनाज और जनधन खाता धारकों को आर्थिक सहायता पर भी बैठक के दौरान चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि देश में अब तक 15 करोड़ कोविड रोधी टीके की खुराक लोगों को दी जा चुकी हैं। बयान के मुताबिक बैठक में इस बात का भी जिक्र किया गया कि देश सफलतापूर्वक दो टीकों का उत्पादन कर सका है और टीकों के कई और दावेदार मंजूरी के विभिन्न चरणों की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। मंत्रिपरिषद ने कोविड अनुकूल आचरण मास्क पहनना, दूसरों से छह फीट की सामाजिक दूरी का पालन करना और नियमित रूप से हाथ धुलने के महत्व को भी रेखांकित किया। अभी आगे के विशाल कार्य को पूरा करने के लिये समाज की भागीदारी को महत्वपूर्ण पहल के तौर पर रेखांकित करते हुए मंत्रियों ने इस बात पर भरोसा जताया कि देश एकजुट होकर इस महामारी को हराएगा।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बाद यह मंत्रिपरिषद् की पहली बैठक थी। बैठक में नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल ने कोविड19 प्रबंधन पर एक प्रस्तुति दी। उनके बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और मनसुख मांडविया ने मंत्रिपरिषद् के सहयोगियों को ऑक्सीजन और दवा की उपलब्धता के बारे में क्रमशः जानकारी दी।

मशहूर न्यूज एंकर रोहित सरदाना का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । मशहूर न्यूज एंकर रोहित सरदाना की मौत हो गई है। लंबे समय तक जी न्यूज में एंकर रहे रोहित सरदाना इन दिनों आज तक न्यूज चैनल में एंकर के तौर पर काम कर रहे थे। उन्हें शुक्रवार को सुबह हार्ट अटैक आया, जिसमें उनकी मौत हो गई। वह कोरोना वायरस से भी संक्रमित थे। हार्ट अटैक के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था, लेकिन बचाया नहीं जा सका। 'अब से थोड़ी पहले जितेंद्र शर्मा का फोन आया। उसने जो कहा सुनकर मेरे हाथ काँपने लगे। हमारे मित्र और सहयोगी रोहित सरदाना की मृत्यु की ख़बर थी। ये वायरस हमारे इतने करीब से किसी को उठा ले जाएगा ये कल्पना नहीं की थी। इसके लिए मैं तैयार नहीं था। ओम शान्ति।' लंबे समय से टीवी मीडिया का चेहरा रहे रोहित सरदाना इन दिनों 'आज तक' न्यूज चैनल प्रसारित होने वाले शो 'दंगल' की एंकरिंग करते थे। 2018 में ही रोहित सरदाना को गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से नवाजा गया था। वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने भी रोहित सरदाना की मौत की जानकारी दी है। उन्होंने ट्विटर पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा, 'दोस्तों बेहद दुखद खबर है। मशहूर टीवी न्यूज एंकर रोहित सरदाना का निधन हो गया है। उन्हें आज सुबह ही हार्ट अटैक आया है। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना।' भले ही कोरोना और दिल का दौरा पड़ने से वह दुनिया छोड़कर चले गए।

महामारी की दूसरी लहर राष्ट्रीय संकट

इंटरनेट पर मदद मांगने पर रोक न लगाई जाएः उच्चतम न्यायालय

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल । उच्चतम न्यायालय ने कोविड19 की दूसरी लहर को राष्ट्रीय संकट करार देते हुए शुक्रवार को अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि इंटरनेट पर मदद की गुहार लगा रहे नागरिकों को यह सोचकर चुप नहीं कराया जा सकता कि वे गलत शिकायत कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर लोगों से मदद के आह्वान सहित सूचना के स्वतंत्र प्रवाह को रोकने के किसी भी प्रयास को न्यायालय की अवमानना माना जाएगा। न्यायालय ने केंद्र, राज्यों और सभी पुलिस महानिदेशकों को निर्देश दिया कि वे ऐसे किसी भी व्यक्ति पर अफवाह फैलाने के आरोप पर कोई कार्रवाई न करें जो इंटरनेट पर ऑक्सीजन, बिस्तर और डॉक्टरों की कमी से संबंधित पोस्ट कर रहे हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति

एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, सूचना का निर्बाध प्रवाह होना चाहिए, हमें नागरिकों की आवाज सुननी चाहिए। यह राष्ट्रीय संकट है। कोई इस तरह की सोच नहीं होनी चाहिए कि इंटरनेट पर की जाने वाली शिकायतें हमेशा गलत होती हैं। सभी पुलिस महानिदेशकों को कड़ा संदेश जाना चाहिए कि किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।'' पीठ ने कहा, ऐसे किसी पोस्ट को लेकर यदि परेशान नागरिकों पर कोई कार्रवाई की गई तो हम उसे न्यायालय की अवमानना मानेंगे।'' केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अदालत के अधिकारी के रूप में वह विचारों से सहमत हैं। न्यायालय की टिप्पणी उत्तर प्रदेश प्रशासन के उस हालिया फैसले के संदर्भ में काफी मायने रखती है जिसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया पर महामारी के संबंध में कोई झूठी खबर फैलाने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। शीर्ष अदालत ने दिल्ली को ऑक्सीजन की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित न करने पर केंद्र की ड्क्षखचाई की और कहा, आप हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते। मेरी अंतरात्मा हिल गई है। हम आपके हाथों 500 लोगों की मौत नहीं देख सकते। आपको तत्काल कुछ करना होगा और दिल्ली को 200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जो कमी हो रही है, उसकी आपूर्ति करें।''

व्यक्तिगत उपयोग के लिए डाक, कुरियर के जरिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के आयात की अनुमति

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल । सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने व्यक्तिगत उपयोग के लिए ईकॉमर्स पोर्टल से डाक या कुरियर के जरिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के आयात की अनुमति दी है।

देश में कोविड19 महामारी के प्रकोप के बीच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को छूट प्राप्त श्रेणी में शामिल किया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के अनुसार ऑक्सीजन का उपयोग करने वालों के लिए यह छूट केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए 31 जुलाई 2021 तक के लिए दी गई है।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एक चिकित्सा उपकरण है, आसपास के परिवेश से ऑक्सीजन जमा करता है। देश में कोविड19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच इन उपकरणों की मांग तेजी से बढ़ी है। ये उपकरण ऑक्सीजन सिलेंडर के विपरीत हवा से ऑक्सीजन को फिल्टर करते हैं, और इनकी मदद से ऑक्सीजन की एक निश्चित मात्रा को ही स्टोर किया जा सकता है।

अधिसूचना में कहा गया, डाक या कूरियर के जरिए ईकॉमर्स पोर्टलों से खरीदे गए सामानों सहित वस्तुओं का आयात, जहां सीमा शुल्क निकासी की अनुमति उपहार के रूप में मांगी जाती है, जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और राखी (लेकिन राखी से जुड़े उपहार नहीं) को छोड़कर अन्य उत्पादों के लिए प्रतिबंधित है।'' इस सूची में पहले ऑक्सीजन कंसंट्रेटर शामिल नही था, और कोविड19 संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के बाद मांग बढने के चलते इसे जोड़ा गया है।

कोराना एक घोटाला है जैसी सोच की वजह से बढ़ा कोरोनाः सरकार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को लेकर आ रही प्रतिक्रियाओं पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने साफ संदेश दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि नियमों का पालन कीजिए क्योंकि हम थक सकते हैं लेकिन वायरस नहीं थकता है। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय का यह बयान उन प्रतिक्रियाओं पर आया है जिसमें कुछ लोग यह कहते हुए नजर आए थए कि कोरोना एक घोटाला है, मुझे मास्क की जरूरत नहीं है। इसके आगे भी जिंदगी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि दो तरह के व्यवहार की वजह से कोरोना मामलों में वृद्धि देखने को मिली है। जिसमें कुछ लोगों की ओर से बहादुरी दिखाने के लिए गलत बातें, जैसे कि कोरोना एक घोटाला के अलावा कुछ नहीं है मास्क की जरूरत नहीं है। इसके आगे भी जिंदगी है शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि

कोविड19 की दूसरी लहर राजस्थान, उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष की तुलना में पांच गुना ज्यादा चरम पर, छत्तीसगढ़ में 4.5 गुना और दिल्ली में 3.3 गुना ज्यादा केस सामने आए हैं। कर्नाटक, केरल, बंगाल, तमिलनाडु, गोवा, ओडिशा में न केवल कोरोना चरम पर है बल्कि वहां कोविड19 के मामलों में भी बढ़ोतरी का ग्राफ ऊपर की तरफ है।

वहीं, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश ने पिछले दिनों की तुलना में ज्यादा केस रिपोर्ट किए हैं। सरकार ने कहा कि दूसरी लहर में संक्रमण बढ़ने की दर काफी तेज है जिससे स्वास्थ्य ढांचे पर काफी दबाव पड़ा है। बता दें कि देश में पिछले 24 घंटे में कोविड19 के अब तक के सर्वाधिक 386452 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 18762976 हो गई। इसके साथ ही देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 31 लाख को पार कर गई है।

महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान

उपराष्ट्रपति ने सार्वजनिक अस्पतालों में सिजेरियन मामलों में कमी लाने के प्रयासों की सराहना की

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया है जो देश की आबादी का लगभग 50 प्रतिशत हैं।

हैदराबाद की स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. इविता फर्नांडीज को महिला स्वास्थ्य देखभाल एवं सशक्तिकरण हेतु उनकी सेवाओं को मान्यता प्रदान करते हुए उपराष्ट्रपति ने उन्हें वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से युद्धवीर मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया और कहा कि अगर महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को नजरअंदाज किया जाता है तो हम कभी भी स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य आवश्यकताओं को मजबूती प्रदान करने और उन्हें पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए क्योंकि वे एक स्वस्थ समाज का

आधार होती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि देश में मातृ मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में काफी प्रगति हुई है, उपराष्ट्रपति ने इस गिरावट में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया जिससे कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लक्ष्य 3.1 की प्राप्ति की जा सके, जिसका उद्देश्य 2030 तक वैश्विक मातृ मृत्यु दर को प्रति एक लाख जन्म में 70 से कम करना है।

नायडू ने भारत की महिलाओं में अल्पपोषण की समस्याओं का समाधान करने के लिए ठोस उपाय करने का भी आह्वान किया। पुरस्कार विजेता डॉ. इविता फर्नांडीज द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पुनरुत्पादन में अग्रणी भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे महिला सशक्तिकरण और सामान्य जन्म की एक मजबूत समर्थक हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि डॉ. इविता महिलाओं के लिए प्रसव को प्राकृतिक और सकारात्मक अनुभव बनाने, नॉर्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने और सिजेरियन मामलों में कमी लाने की दिशा में हर संभव प्रयास किया है।

यूनिसेफ के साथ तेलंगाना सरकार और फर्नांडीज अस्पताल द्वारा सिजेरियन मामलों में कमी लाने और सार्वजनिक अस्पतालों में नॉर्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इसे एक प्रशंसनीय उद्देश्य बताया और कहा कि वे चाहते हैं कि सिजेरियन वर्गों में कमी लाने की मुहिम में ज्यादा से ज्यादा निजी अस्पताल शामिल हों। नायडू ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य देखभाल में सुधार लाना बहुत ही महत्वपूर्ण है और उन्होंने प्रसाविका के लिए एक राष्ट्रीय कैडर का निर्माण करने वाली पहल के लिए डा. इविता की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि फर्नांडीज फाउंडेशन तेलंगाना सरकार में प्रसाविका के लिए 1,5000 नर्सों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराष्ट्रपति ने स्वर्गीय युद्धवीरजी को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके नाम पर इस पुरस्कार की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि वे कई क्षेत्रों में शामिल व्यक्ति थे एक स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और एक प्रसिद्ध पत्रकार। सत्य और ईमानदारी के पथप्रदर्शक के रूप में युद्धवीरजी ने पत्रकारिता में सदैव नैतिकता को अपनाया।

एक नजर

आप पार्टी वर्करों नें किया रामनगर में सेनीटाईजेशन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। पूर्व विधायक सरिता सिंह के निर्देशानुसार कोरोना महामारी के प्रकोप को कम करने के लिए आदर्श रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्रेटरी व एससी/एसटी विंग विधानसभा उपाध्यक्षप्रकाश अंबे द्वारा व धर्मवीर पांचालमहामंत्री रोहताश नगर, सीताराम निम्मी के सहयोग से सैनिटाइजर के कार्य का आयोजन किया गया। इसमें चंद्रलोक कॉलोनी से लेकर, पीएनबी बैंक चंद्रलोक, जगजीवन नगर, भगवानपुर खेड़ा, रामनगर एक्सटेंशन, शिवाजी पार्क, अहिंसा वाटिका, जयसवाल मार्ग राम नगर एक्सटेंशन, शांति बिल्डिंग नगर निगम स्कूल तक सैनिटाइजर का काम सुचारू रूप से कराया गया। धर्म बीर पांचाल नें बताया काश अंबे द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया की कोरोना महामारी को देखते हुए निकट भविष्य में भी सैनिटाइजर का काम सुचारू रूप से जारी रख सकते हैं।

खेतों में आग से दिल्ली की हवा दमघोंटू हुई

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। पंजाब और हरियाणा के खेतों में लगाई जा रही आग से दिल्ली की हवा लगातार दमघोंटू बनी हुई है। केंद्र द्वारा संचालित संस्था सफर का अनुमान है कि खेतों में 1500 से ज्यादा जगहों पर आग लगाई गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को हवा में धुएं व अन्य कारकों से दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 287 के अंक पर यानी खराब श्रेणी में रहा।

जबकि, दिल्ली के कई इलाके ऐसे हैं जहां का सूचकांक 300 के अंक के पार यानी बेहद खराब श्रेणी में चल रहा है। बता दें कि खेतों में बचे हुए कृषि अवशेष जलाने से आमतौर पर अक्तूबर और नवंबर के महीने में दिल्ली की हवा में प्रदूषण देखा जाता रहा है। लेकिन, इस बार अलगअलग मौसम के कारकों के चलते अप्रैल में भी इस धुएं का असर दिख रहा है। पंजाब और हरियाणा के खेतों में गेहूं और सरसों की फसल काटने के बाद बचे हुए अवशेष को खेतों में जलाया जा रहा है। इसका धुआं दिल्ली की हवा को प्रभावित कर रहा है। खेतों में लगी आग की 1500 से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। एक दिन पहले इस तरह की आग की 1300 घटनाएं दर्ज की गई थीं।

लाइनहाजिर कराने की धमकी दे रहा होटल मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास में गुरुवार को कोरोना महामारी नियमों के उल्लंघन का कारण पूछने पर भड़के एक होटल मालिक ने पुलिसकर्मियों को लाइनहाजिर कराने की धमकी दे डाली। पुलिसकर्मियों ने होटल मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 22 वर्षीय शकलेन खजूरी खास इलाके में ही रहता है। पुलिस के अुनसार, खजूरी खास थाने में तैनात हेड कांस्टेबल विकास कुमार सिंह और कांस्टेबल प्रमोद गश्त कर रहे थे। इस दौरान तड़के करीब चार बजे उन्होंने देखा कि श्रीराम कॉलोनी के ब्लॉकसी में एक होटल खुला हुआ था। पुलिसकर्मी होटल पर पहुंचे और होटल मालिक से लॉकडाउन के उल्लंघन का कारण पूछा तो वह भड़क गया। वह पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कराने की धमकी देने लगा। पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी और फिर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

ऑक्सीजन को महत्वपूर्ण वस्तु की तरह लें राज्य सरकारें

केंद्र सरकार ने राज्यों को दी सलाह, ऑक्सीजन की खपत की समीक्षा करवाएं

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल। देश के विभिन्न भागों में जीवनरक्षक गैस ऑक्सीजन की कमी के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को राज्यों से कहा कि वे उपलब्ध ऑक्सीजन को महत्वपूर्ण वस्तु की तरह लें और निजी अस्पतालों समेत सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन की खपत की समीक्षा करवाएं ।

स्वास्थ्य एवं पिरवार कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस महामारी की शुरूआत से ही सरकार ने ऑक्सीजन वाले बिस्तरों की प्रमुख क्लीनिकल मदद के रूप में पहचान की थी। उन्होंने कहा कि सरकारने अप्रैल मई 2020 में ही राष्ट्रीय स्तर पर 1,02,400

ऑक्सीजन सिलेंडर खरीद लिए थे और उन्हें राज्यों के बीच बांट दिया गया था।

अग्रवाल ने कहा, हम राज्यों से अपील कर चुके हैं कि उपलब्ध ऑक्सीजन को एक महत्वपूर्ण वस्तु की तरह लें और ऑक्सीजन का तार्किक उपयोग भी सुनिश्चित करें ।''

केंद्र द्वारा आक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाए जाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए अग्रवाल ने कहा कि नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइइक्षसग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की कीमत तय करने के लिए निर्देश जारी किए हैं । उन्होंने बताया कि देशभर में 162 प्रेशर ड्क्षस्वग ऐड्सॉर्प्शन (पीएसए) संयंत्रों को अनुमति दी गई है जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 154 मिट्रिक टन है।

इनमें से 52 संयंत्र पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं तथा 87 की आपूर्ति हो गई है और इन्हें जल्द से जल्द चालू करने का काम जारी है। अग्रवाल ने बताया कि राज्यों को 8,593 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गई है।

उन्होंने बताया, 1,27,000 ऑक्सीजन सिलेंडरों का आर्डर 21 अप्रैल को जारी किया गया गया था और इनकी आपूर्ति एकाध दिन में होने वाली है। इनमें 54,000 जंबो सिलेंडर और 73,000 सामान्य सिलेंडर हैं ।'' उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त 551 पीएसए संयंत्र को मंजूरी दे दी गई है और इन्हें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। ये संयंत्र विभिन्न जन स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित किए जाएंगे ।

अग्रवाल ने साथ ही बताया कि राज्यों को सलाह दी गई है कि वे आक्सीजन का तार्किक इस्तेमाल सुनिश्चित करें और मरीजों को अनावश्यक रूप से ऑक्सीजन न दें ।साथ ही उन निजी स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों पर भी निगरानी रखें जो घरों पर कोविड केयर पैकेज मुहैया कराने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडरों का इस्तेमाल कर रहे हैं ।

दिल्ली के उपराज्यपाल कोरोना वायरस से संक्रमित

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल । दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शुक्रवार को कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये हैं और उनमें इसके हल्के लक्षण हैं। एक अधिकारी ने बताया कि बैजल कोरोना वायरस रोधी टीके की दोनों खुराक ले चुके हैं । उन्होंने बताया कि उप राज्यपाल ने पहली खुराक तीरथ राम शाह अस्पताल में पिछले महीने ली थी । उन्होंने ट्वीट किया, मैं कोविड19 से संक्रमित हो गया हूं। मुझे संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। लक्षण दिखने शुरू होते ही मैं पृथक वास में चला गया। मेरे संपर्क में जो भी आये थे, उनकी भी जांच की गई है। मैं अपने आवास से ही काम जारी रखूंगा और दिल्ली में हालात पर नजर रखूंगा।'' इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविद केजरीवाल, उप

मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बैजल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, महाशय, आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की मैं कामना करता हूं।

जिला अदालत के कर्मचारियों को दिल्ली में रहने का निर्देश, बाहर जाने के लिए लेनी होगी अनुमति

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । दिल्ली में कोरोना वायरस के फैलाव को देखते हुए सातों जिला अदालतों के कर्मचारियों को अपने राजधानी स्थित निवास पर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल अदालतों में वर्चुअल सुनवाई चल रही है। लेकिन उधर बड़ी संख्या में अदालतकमियों का कोरोना पॉजिटिव आने का सिलसिला जारी है। ऐसे में कर्मचारियों व उनके परिवारों की सुरक्षा व अदालत के कामकाज को सुचारू रखने के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

इस आदेशपत्र में कहा गया है कि जो भी कर्मचारी स्वस्थ हैं वह अदालती कार्यवाही में सक्रिय रूप से सम्मलित हों। आदेश में यह भी कहा गया कि क्योंकि सुनवाई वर्चुअल माध्यम से हो रही है। इसलिए उनके संक्रमित होने की कोई संभावना नहीं है। वह भयभीत ना हों। इस आदेश की दूसरी वजह यह बताई गई है कि अगर

अदालतकर्मी या उनके परिवार का कोई सदस्य पॉजिटीव होता है और उसे तत्काल उपचार की आवश्यकता पड़ती है तो प्रत्येक जिले में इसके विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। ताकि उन्हें समय से उचित उपचार मिल सके। इसलिए अदालतकर्मियों व उनके परिवार का अपने दिल्ली स्थित निवास पर रहना आवश्यक है। इस आदेश में यह भी कहा गया है कि जो भी कर्मचारी स्वस्थ है वह घर बैठे अदालत में सुने जा रहे जरूरी मामलों की सुनवाई में शामिल हो और अपने कार्य को पूर्ण करें। यह सहयोग जरुरी मामलों को निपटाने में मददगार साबित होगा। आदेश में कहा गया है कि अगर किसी कर्मचारी को किसी आवश्यक कार्य से दिल्ली से बाहर जाना भी है तो इसके लिए जिला न्यायाधीश से अनुमति ले। जिससे वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी में यह बात रहे कि कौन सा कर्मचारी या अधिकारी इस समय कहां है और किस काम से उसका दिल्ली से बाहर जाना हुआ है।

वायुसेना के विमान ने कोविड अस्पताल की स्थापना के लिए आपूर्ति लखनऊ पहुंचाई

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। भारतीय वायुसेना ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कोविड अस्पताल की स्थापना के लिए आपूर्ति पहुंचाई है। यह जानकारी शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बीच देश के कई राज्य चिकित्सीय ऑक्सीजन और बिस्तरों की संख्या में कमी की समस्या से जूझ रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, ''कोविड19 की मौजूदा स्थिति में देश में ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए भारत के भीतर और विदेश से लगातार उड़ान भर रही है।''एक आईएल 76 विमान लखनऊ में एक कोविड अस्पताल की स्थापना के लिए आपूर्ति लेकर उत्तर प्रदेश की राजधानी में उतरा। वायुसेना ने विदेश से 23 उड़ान भरीं और 670 मीट्रिक टन की क्षमता वाले 39 ऑक्सीजन कंटेनर भारत पहुंचाए।

पीएम केयर फंड से स्वामी दयानंद अस्पताल में जल्द शुरू होगा ऑक्सीजन प्लांटः महापौर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम केयर फंड से दिल्ली के तीनों नगर निगमों के अस्पतालों में जल्द ही आक्सीजन प्लांट लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह राहत देने वाली बात है कि इसी कड़ी में पूर्वी दिल्ली में स्वामी दयानंद अस्पताल में यह ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जायेगा। श्री जैन ने कहा कि अस्पताल प्रशासन द्वारा इस संबंध में रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेज दी गई है। महापौर ने कहा कि कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए स्वामी दयानंद अस्पताल में बैड्स की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पी एम केयर फंड से आवश्यक सहायता के लिए पत्र लिखा है ताकि स्वामी दयानंद अस्पताल में वार्ड नम्बर 4 और 5 जोकि काफी समय से बंद पड़ा है,

उसमें ऑक्सीजन सहित 25 बैड्स लगाये जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी निगम अपने उपलब्ध साधनों का अधितम प्रयोग करते हुए कार्य कर रहा है परन्तु इस माहमारी के बढ़ते प्रकोप के चलते संसाधनों को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद अस्पताल में डॉक्टर्स, पेरामेडिकल स्टॉफ की कमी है जिसको ध्यान में रखते हुए 60 नर्स और 20 डॉक्टर्स की जल्द नियुक्ति की जायेगी। निर्मल जैन ने कहा कि स्वामी दयानंद अस्पताल में अधिकतर निम्न आय वर्ग की लोग उपचार के लिए आते है ऐसे में उन लोगों को आधारभूत स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाना निगम का प्राथमिक दायित्व है। महापौर ने बताया कि पूर्वी निगम कोरोना की रोकथाम के लिए हरसंभव कार्य कर रहा है। इस दिशा में पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा पूर्वी दिल्ली के तीनों जिलों में 55 केन्द्रों को चिन्हित करके संबंधित जिले के डी.एम के पास इन केन्द्रों की सूची भेजी गई है ।

दिल्ली भाजपा के राहत सेवा संकल्प के अंतर्गत डॉक्टर सैल कंट्रोल रूम दे रहा है रोगियों को मैडिकल सलाह

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के निर्देश पर प्रदेश डॉक्टर सैल ने होम आईसोलेशन के कोविड पीड़ित परिवारों को मेडिकल सलाह देने के लिये विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की है। फोन नम्बर 73034149717 एवं 9717247796 पर यह मेडिकल सलाह सेवा उपलब्ध है। प्रदेश भाजपा के महामंत्री हर्ष मल्होत्रा इस सेवा का समन्वय कर रहे हैं और डॉक्टर सैल के पदाधिकारियों डॉ. वीरेन्द्र रूहेला, डॉ. वी.के. मोंगा, डॉ. अनिल गोयल एवं डॉ. हरीश गुप्ता के साथ 20 डाक्टरों का एक पैनल इसमे काम कर रहा है। कल बृहस्पतिवार 29 अप्रैल तक यह कंट्रोल रूम 2768 कालें पंजीकृत कर मेडिकल सलाह दे चुका है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष के अनुसार यह डॉक्टर पैनल रोगियों को होम आईसोलेशन के नियमों सावधानियां एवं दवाओं से अवगत कराने के साथ ही आवश्यकता पडने पर रोगी को दवा भी भेजता है। गुप्ता ने कहा है लोग

इस कंट्रोल रूम से ओकसीमीटर भी प्राप्त कर सकते हैं। इसी एक साथ पार्टी कोषाध्यक्ष विष्णु मित्तल एवं प्रवक्ता सतीश गर्ग की एक टीम लोगों इमयूनिटी बढ़ाने के लिये देसी काढा वितरण का काम कल से प्रारम्भ करेगा जिसके लिये भी उपरोक्त कंट्रोल रूम नम्बर पर निवेदन किया जा सकता है।

दिल्ली में कोविड-19 जांच की फर्जी रिपोर्ट बनाने वाले 5 लोग गिरफ्तार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में कथित तौर पर कोविड19 जांच की फर्जी रिपोर्ट बनाने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान प्रज्ञानंद शर्मा (24), हिमांशु शर्मा (24), डॉक्टर मनीष कुमार (32), सतेंदर (26) और निखिल (22) के तौर पर हुई है। पुलिस ने कहा कि मालवीय नगर पुलिस थाने में बृहस्पतिवार को एक पीसीआर कॉल आई थी जिमें कहा गया कि मालवीय नगर की जीनस्ट्रिंग्स लैब में कुछ लोग कोरोना वायरस की फर्जी जांच रिपोर्ट बना रहे थे। मुताबिक उसने अपने 45 रिश्तेदारों के साथ कोविड19 जांच के लिये हिमांशु और प्रज्ञानंद को नमूने दिये थे। सैनी के दोस्त ऋषभ शुक्ला ने भी दोनों आरोपियों को जांच के लिये नमूने दिये। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि शुक्ला संक्रमित हैं लेकिन उनमें कोई

लक्षण नहीं थे। पुलिस ने कहा कि शुक्ला ने बुधवार को अपना नमूना एक अन्य लैब में दिया जहां उनके संक्रमित नहीं होने की बात सामने आई। पुलिस ने कहा कि बृहस्पतिवार को हिमांशु और प्रज्ञानंद के साथ सैनी जीनस्ट्रिंग्स लैब गया और पता चला कि शुक्ला की रिपोर्ट लैब के रिकॉर्ड में है ही नहीं। अधिकारी ने कहा कि अपना अपराध स्वीकार करते हुए हिमांशु ने कहा कि वह अपने रिश्तेदार प्रज्ञानंद के साथ लोगों के घरों से नमूने लेता था और उन्हें जीनस्ट्रिंग्स लैब में काम करने वाले मनीष को दे देते थे जिसे लैब के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया जाता था।

मनीष एक्सल शीट्स पर प्रज्ञानंद के साथ नतीजे साझा करता था और तब प्रज्ञानंद जीनस्ट्रिंग्स लैब के फर्जी लेटरहेड पर इन नतीजों को प्रिंट करता था। इस मामले में मालवीय नगर स्थित जीनस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर के सीओओ चेतन कोहली ने कहा, हमारी प्रयोगशाला के नाम वाली रिपोर्ट के प्रमाणन के लिये कुछ मरीजों द्वारा संपर्क किये जाने के बाद हमनें पाया कि वे हमारे द्वारा जारी नहीं की गई है।

जेएनयू स्टूडेंट यूनियन की यूजीसी से मांग कोरोना काल में सभी परीक्षाएं स्थगित हों

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को पत्र लिखकर मांग की है कि कोरोना महामारी को देखते हुए सभी परीक्षाओं को स्थगित करने की मांग की है। आयोग को लिखे छात्रसंघ के काउंसिलर अमृत राज और अनघ प्रदीप ने यह भी मांग की परीक्षाओं को आयोजित कराए जाने को लेकर फ्रेश गाइडलाइन्स जारी की जाएं। आपको बता कें कि गुरुवार को भारत में एक दिन में कुल नए कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या 3.8 लाख के करीब पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 1.83 करोड़ से भी ज्यादा हो गई। वहीं वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या 30 लाख पार कर गई। इसके साथ ही इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या 204832 हो गई जिसमें गुरुवार को अकेले 3645 लोगों की मौत दर्ज की गई। छात्रसंघ ने अपने पत्र में लिखा, 'हम आपको सभी परीक्षाओं और मूल्यांकन प्रक्रिया

को स्थगित करने के संबंध में लिख रहे हैं। देश में बढ़ रही महामारी की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस सेमेस्टर के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए जाएं।'

पत्र में आगे लिखा गया है कि देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर से बुरी तरह से ग्रसित हो गया है। रोज तीन लाख से ज्यादा केस और 3000 से ज्यादा मौतें सामने आ रही हैं।

रेमेडिसिविर की 4,50 लाख शीशियों का आयात करेगा भारत

केंद्र सरकार का फैसला, 75 हजार शीशियों की पहली खेप पहुंची

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। देश में रेमेडिसविर की कमी को दूर करने के लिए भारत सरकार ने दूसरे देशों से महत्वपूर्ण दवा रेमेडिसविर का आयात शुरू किया है। इसके तहत आज रेमेडिसविर की 75,000 शीशियों की पहली खेप भारत पहुंची।

भारत सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने अमेरिका के मेसर्स गिलियड साइंसेज इंक और मिस्र की फार्मा कंपनी मेसर्स ईवीए फार्मा को रेमेडिसविर की 4,50,000 शीशियां बनाने का ऑर्डर दिया है। अमेरिका से अगले एक या दो दिनों में 75,000 से 1,00,000 शीशियां भारत पहुंचेगी। इसके अलावा 15 मई से पहले एक लाख शीशियों की आपूर्ति की जाएगी। साथ ही ईवीए फार्मा शुरुआत में लगभग 10,000 शीशियों की आपूर्ति करेगी, जिसके बाद हर 15 दिन या जुलाई तक 50,000 शीशियां मिलेंगी।

सरकार ने देश में भी रेमेडिसविर की उत्पादन क्षमता को बढ़ा दिया है। 27 अप्रैल तक सात लाइसेंस प्राप्त घरेलू निर्माताओं की उत्पादन क्षमता

प्रति माह 38 लाख शीशियों से बढ़कर 1.03 करोड़ शीशियों प्रति माह हो गई। पिछले सात दिनों (21 28 अप्रैल, 2021) में दवा कंपनियों द्वारा देश भर में कुल 13.73 लाख शीशियों की आपूर्ति की गई है। दैनिक आपूर्ति 11 अप्रैल को 67,900 शीशियों से बढ़कर 28 अप्रैल. 2021 को 2.09 लाख शीशियों तक पहुंच गई है। गृह मंत्रालय द्वारा रेमेडिसविर आपूर्ति को सुचारू रूप से करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाजरी जारी की गई थी।

सरकार ने भारत में इसकी उपलब्धता बढ़ाने के लिए रेमेडिसविर के निर्यात पर भी रोक लगा दी। आम लोगों के बीच इंजेक्शन की लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए, एनपीपीए ने 17 अप्रैल, 2021 को संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य जारी किया, जिससे सभी प्रमुख ब्रांडों की लागत 3500 रुपये प्रति शीशी से नीचे आ गई।

रेमेडिसविर के उत्पादन तेजी से बढ़ाने और उपलब्धता को आसानी से सुनिश्चित बनाने के लिए, राजस्व विभाग ने 20 अप्रैल को अधिसूचना 27/2021 जारी कर रेमेडिसविर इंजेक्शन पर सीमा शुल्क की पूरी तरह से खत्म करने का ऐलान किया था। इसके साथ ही रेमेडिसविर के निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले एपीआई और बीटा साइक्लोडोडेक्सट्रिन पर भी यह छूट दी गई थी। सीमा शुल्क में यह छूट 31 अक्टूबर, 2021 तक लागू रहेगी।एम्स/ आईसीएमआर कोविड 19 नेशनल टास्क फोर्स/ एमओएचएफडब्ल्यू की संयुक्त निगरानी समूह द्वारा 22.04.2021 को वयस्क कोविड19 रोगियों के इलाज के लिए नेशनल क्लीनिकल मैनेटमेंट प्रोटोकॉल जारी किया गया था। अपडेटेड प्रोटोकॉल ड्रग्स के विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करेगा और मांग को बुद्धिसंगत बनाने में योगदान देगा।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 400 अंक गिरा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख रहने से बंबई शेयर बाजार में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 400 अंक से अधिक लुढ़क गया। सेंसेक्स पर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक में गिरावट से कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बंबई शेयर बाजार यानी बीएसई का 30शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में 424.70 अंक यानी 0.85 प्रतिशत गिरकर 49,341.24 अंक पर आ गया। इसी प्रकार नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी इस दौरान 117.65 अंक यानी 0.79 प्रतिशत गिरकर 14,777.25 अंक रह गया। एचडीएफसी बैंक करीब तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे ज्यादा गिरावट में रहा। इसके बाद एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टाइटन, कोटक बैंक और स्टेट बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। इसके विपरीत ओएनजीसी, डा रेड्डीज, बजाज आटो, सन फार्मा और इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 32.10 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 49,765.94 अंक और निफ्टी 30.35 अंक यानी 0.20 प्रतिशत गिरकर 14,894.90 अंक पर बंद हुआ था।

पूर्व उपमहापौर संजय गोयल ने की खाली आक्सीजन सिलेंडर देने की मार्मिक अपील

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (वेबवार्ता)। कई औधोगिक ऐसोसियेसनों से जुड़े पूर्वी दिल्ली नगर निगम के पूर्व उपमहापौर संजय गोयल नें फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल एरिया एवं झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया व नार्थ शाहदरा के सभी उद्यमी मित्रों से अनुरोध किया है कि इस समय देश कोरोना महामारी के संक्रमण से गुजर रहा है जिसमें उसमें आप सबको विदित है कि दिल्ली की स्थिति भी इस समय काफी विकट है। उन्होंने कहा इस महामारी से ग्रस्त मरीजों को ऑक्सीजन की भयंकर कमी का सामना करना पड़ रहा है ऐसे में हमारा अपने क्षेत्र के सभी उद्यमी मित्रों (विशेषकर वेल्डिंग एवम खराद व मशीन निर्माता) जिनके पास ऑक्सीजन या नाइट्रोजन के खाली सिलेंडर है उनसे अनुरोध है की वह सिलेंडर कुछ समय के लिए हमें उपलब्ध करा दें ताकि उनको रिफिल करवा कर जरूरतमंदों की मदद की जा सके और सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा की जा सके। संजय गोयल ने कहा, आपके सिलेंडर की सकुशल वापसी की जिम्मेदारी हमारी होगी अगर किसी को सिलेंडर की एवज में किसी प्रकार की धरोहर राशि चाहिए तो वह भी दे दी जाएगी। इसके लिए उन्होंने ईस्ट दिल्ली मनुफैक्टरर्स एसोसिएशन, फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियलिस्ट एसोसिएशन, डॉ.अनिल गुप्ता, राकेश बंसल, नरेंद्र छाबडा तथा विनीत जैन से सम्पर्क करने का अनुरोध भी किया है।

कोरोना से लड़ने के लिए संसाधन और तैयारियों में दिल्ली पूरी तरह विफल

HC ने वकीलों से कहा- हम भी उसी दर्द से गुजर रहे हैं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बेकाबू ढंग से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने आज एक बार फिर आम आदमी पार्टी सरकार की खिंचाई की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि कोरोना से लड़ने के लिए संसाधन और तैयारी में दिल्ली पूरी तरह विफल है। कोर्ट ने कहा यहां पर ना बेड हैं, ना ऑक्सीजन, ना डॉक्टर और ना नर्स, सरकार का सिस्टम पूरी तरह विफल है। वकीलों के लिए इलाज की समुचित व्यवस्था की मांग पर हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के अध्यक्ष

रमेश गुप्ता सहित वकीलों के एक समूह ने शुक्रवार को हाईकोर्ट से कोविड19 से पीड़ित वकीलों के लिए चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग की, जिस पर कोर्ट ने कहा कि राज्य पूरी तरह विफल हो गया है। सुनवाई के दौरान वकील रो पड़े जिसमें वरिष्ठ वकील गुप्ता भी शामिल थे। उन्होंने न्यायाधीशों से अपील की कि उनकी मदद करें क्योंकि उन्हें चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस रेखा पल्ली की बेंच ने कहा कि वे वकीलों के दर्द को समझ रहे हैं और स्थिति को राज्य की विफलता करार दिया। बेंच ने कहा, हम आपके दर्द को समझते हैं। हम भी इससे गुजर रहे हैं। कोविड में बेतरतीब इजाफा हुआ है...किसी ने नहीं सोचा था कि यह इस तरीके से हम पर हमला करेगा... यहां धन का मुद्दा नहीं है। समस्या बुनियादी ढांचे की है।

कोर्ट ने कहा, समस्या है कि हमारे पास डॉक्टर, नर्स, ऑक्सीजन और दवाएं नहीं हैं। यह पूरी तरह से राज्य की विफलता है। यह हमारे लिए कठिन होता जा रहा है। कोर्ट वकीलों के लिए चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था करने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

जजों और वकीलो के लिए कोविड बेड आरक्षित रखने का आग्रह

गौरतलब है कि कई वकीलों ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जजों, वकीलों और अदालत के कर्मचारियों के लिए कोविड19 बेड आरक्षित रखने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि ये लोग यहां अस्पतालों में बेड के लिए संघर्ष कर रहे हैं। द्वारका अदालत की बार एसोसिएशन ने केजरीवाल को लिखे एक पत्र में कहा कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और उनके परिवारों को अस्पताल में भर्ती होने में बहुत समस्याएं आ रही हैं। एसोसिएशन ने कहा कि वकील, जज, अदालत का स्टाफ और उनके परिवार के लोग संक्रमित हैं और उन्हें अस्पतालों में भर्ती होने में समस्या आ रही है क्योंकि द्वारका अदालत क्षेत्र में कोई सरकारी अस्पताल नहीं है, जहां की आबादी 12 लाख से ज्यादा है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वाई.पी. सिंह ने सुझाव दिया कि 17,000 बेड्स वाले इंदिरा गांधी सरकारी अस्पताल, जिसका निर्माण अभीअभी पूरा हुआ है, उसे लोगों के लिए खोल देना चाहिए और यहां अदालत के कर्मचारियों और वकीलों के लिए बेड्स आरक्षित रखे जाने चाहिए। एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को भी भेजे गए पत्र में लिखा, माननीय स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह है कि आईसीयू और वेंटिलेटर के साथ अस्पताल की शुरुआत में हस्तक्षेप करें और वकीलों एवं उनके परिवारों के लिए कम से कम 500 बेड्स जजों एवं उनके परिवार के लिए 50 बेड और अदालत के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के लिए 100 बेड्स आरक्षित रखे जाएं। इस हफ्ते की शुरुआत में, दिल्ली सरकार ने अशोका होटल के 100 कमरों को दिल्ली हाईकोर्ट के जजों और अन्य न्यायिक अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए कोविड स्वास्थ्य केंद्र में बदलने का आदेश पारित किया था।

घर पर कोविड की देखभाल के लिए सुझाव दिए

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने कोविड19 के हल्के लक्षण दिखने पर कोविड19 का घरेलू देखभाल करने के तरीकों की जानकारी को एकत्र कर बेहद आसानी से समझ में आने वाला वीडियो जारी किया है। वीडियो के जरिए लोगों को सलाह दी गई है कि यदि किसी व्यक्ति में कोविड 19 का लक्षण दिखता है तो वह घबराएं नहीं, क्योंकि अधिकांश लोग खुद देखभाल कर घर पर अपने संक्रमण को ठीक कर सकते हैं। इसके तहत बीमारी के सामान्य लक्षणों को सूचीबद्ध किया गया है और बताता है कि पहली बार लक्षण मिलने पर क्या करना चाहिए। पहले संकेत पर, संक्रमित व्यक्ति को घर में आइसोलेट करना चाहिए। घरेलू देखभाल के उपायों का पालन करना शुरू करना चाहिए। वीडियो लोगों को चिंता नहीं करने के लिए कहता है। क्योंकि चिंता करने पर संक्रमण से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है। यह बेहद जरूरी है कि ऐसे लक्षण वाले लोग घर पर आइसोलेट रहे। उन्हें ज्यादा से ज्यादा आराम करना और हाइड्रेटेड (खूब

पानी पीना) रखना महत्वपूर्ण है और नियमित रूप से रोगी के रक्त ऑक्सीजन के स्तर और तापमान की निगरानी करें और लगातार बुखार जारी रहने पर या ऑक्सीजन का स्तर एसपीओ2 लेवल 92 फीसदी से कम हो तो डॉक्टर से परामर्श करें। यह वीडियो उन तरीकों को भी बताता है जिन्हें ऑक्सीजन का स्तर 94 फीसदी कम होने पर किया जाना चाहिए। जिससे कि फेफड़े में सुधार हो और ऑक्सजीन का स्तर बढ़ सके। वीडियो इसके अलावा रोगी के कमरे के दरवाजे और खिड़कियां खुली रखने के महत्व को भी बताता है। ताकि कमरे को अच्छी तरह से हवादार बनाया जा सके।

वायरस के प्रसार को कम करने के लिए टीकाकरण होने के महत्व को भी वीडियो रेखांकित करता है। वीडियो यह भी याद दिलाता है कि टीका लगाए जाने के बाद भी, कोविड19 के उचित व्यवहार का पालन करना आवश्यक है।

भारत में कोविड राहत कार्यों में एचएसबीसी इंडिया 75 करोड़ देगा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। एचएसबीसी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि देश में जारी कोविड19 राहत कार्यों के लिए वह 75 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देगी। एचएसबीसी ने एक बयान में कहा कि यह वित्तीय सहायता इस साल भारत में जमीन स्तर पर काम करने वाली गैरलाभकारी और विकास एजेंसियों के जरिए दी जाएगी। इसके तहत अग्रिम पंक्ति पर राहत कार्यों में लगे योद्धाओं और वंचित समुदायों तक खासतौर से मदद पहुंचाई जाएगी। बयान के मुताबिक इस सहायता का इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों, ऑक्सीजन और स्वच्छता किट की आपूर्ति तथा टीकाकरण, आजीविका समर्थन और राशन देने के लिए किया जाएगा। एचएसबीसी इंडिया ने कहा, ''हम जिन समुदायों के बीच काम करते हैं, उनके लिए प्रतिबद्धता के तहत हम कोविड19 के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।''

एचएसबीसी इंडिया के समूह महाप्रबंधक और सीईओ सुरेंद्र रोशा ने कहा, ''जब वायरस एक बार फिर वापसी कर रहा है।

कोरोना महामारी में अनाथ और बेसहारा हुए बच्चों के लिए फरिश्ता बनी दिल्ली सरकार, शुरू किया हेल्पलाइन नंबर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । कोविड 19 महामारी के दौरान कई बच्चों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कई बच्चे अपने मातापिता दोनों को ही खो चुके हैं और कई बच्चों के अभिभावक अस्पातलों में भर्ती हैं। ऐसे बच्चों की आवश्यक जरुरतों और समस्याओं को दूर करने के लिए दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हेल्पलाइन नंबर 9311551393 शुरू किया है। डीसीपीसीआर के अध्यक्ष अनुराग कुंडू ने कहा कि ऐसे बच्चों पर नजदीक से नजर रखें और हेल्पलाइन के जरिए 24 घंटे मदद सुनिश्चित की जाए। अनुराग कुंडू ने कहा कि ऐसे समय में बच्चे सबसे कमजोर होते हैं, क्योंकि वे दूसरों पर निर्भर होते हैं।

हेल्पलाइन के जरिए ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चे अभिभावकों को खो चुके हैं और उन्हें तत्काल देखभाल की आवश्यकता है। आयोग ऐसे सभी मामलों को 24 घंटे से कम समय में हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। हेल्पलाइन के जरिए आने वाले सभी तात्कालिक फोन पर डीसीपीसीआर 24 घंटे के अंदर मदद

करता है। बच्चों के लिए दवाइयां, भोजन, आश्रय, कपड़े आदि आवश्यक जरुरतों की आपूर्ति की जाती है। हेल्पलाइन के जरिए डीसीपीसीआर के संज्ञान में कई मामले आए हैं जिनमें कोविड19 के कारण बच्चों ने अपने मातापिता को खो दिया है। दूसरे अन्य मामलों में बच्चों ने अपने मातापिता में से किसी एक को खो दिया है, जबकि दूसरा अस्पताल में भर्ती है। ऐसे हालात बच्चों को कमजोर कर देते हैं और डरावनी स्थिति पैदा हो जाती है।

आयोग को एक मामला मिला जिसमें दोनों बच्चों ने एक ही दिन में अपने मातापिता को खो दिया था। इसके बाद आयोग ने गैर सरकारी संगठन की मदद से बच्चों के साथ बातचीत कर काउंसलिंग की। रिश्तेदार और पड़ोसी अब बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। वहीं आयोग रोज उनकी जानकारी ले रहा है। जबकि एक अन्य मामले में कोविड 19 की वजह से दो बच्चों ने अपने पिता को खो दिया और बच्चों के पास आश्रय का कोई स्थान नहीं था। बच्चों को नहीं पता था कि अब आगे क्या करना है। आयोग ने उनके पिता का दाह संस्कार करवाया। इसके अलावा रिश्तेदारों के पहुंचने से पहले उन्हें चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवायी। इसके अलावा आयोग ने दोनों बच्चों की कोविड जांच भी सुनिश्चित की।

आरक्षित सीटों पर नहीं हो रहा गरीबों का ईलाजः अनिल चौधरी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । दिल्ली प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने बयान जारी कर कहा कि दिल्ली में कोरोना से बुरे हालात है ऑक्सिजन नहीं है इंजेक्शन नहीं है, लोगों को बिस्तर नहीं मिल रहे है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में कांग्रेस पार्टी की सरकार द्वारा गरीबों के लिए आरक्षित 25 फीसदी सीटों पर इलाज नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ेबड़े निजी अस्पताल में आज आरक्षित सीटों पर इलाज नहीं हो रहा, महामारी के समय निजी अस्पतालों ने लूट मचा रखी है गरीबों के लिए आरक्षित इन सीटों को बड़ेबड़े पैसेवालों को बेचने का धंधा चल रहाय दिल्ली सरकार लूट में हिस्सेदार है अतः खामोश है। अनिल कुमार ने माँग करी है कि दिल्ली सरकार को तुरंत प्रभाव से निजी अस्पतालों में 20 फीसदी कोविड बिस्तर अत्त्यंत गरीब मरीजों व 5 फीसदी सीटें बिना कोविड के गंभीर मरीजों के लिए आरक्षित करने का माँग की। अनिल कुमार ने कहा कि पिछले वर्ष जब दिल्ली सरकार द्वारा जारी कोरोना एप्प पर बिस्तर के संबंध में गलत आँकड़े दिखाये जा रहे थे उन्होंने उपराज्यपाल द्वारा बुलाये गए सर्वदलीय बैठक में अस्पतालों के बाहर डिजिटल डिस्प्ले लगाने का माँग रखी थी, उनके इस सुझाव को लागू करने का आदेश भी जारी हुआ लेकिन इस आदेश का शख्ती से पालन नहीं हो रहा। न ही एप्प पर सही जानकारी उपलब्ध हो रही है ओर न ही अधिकांश अस्पतालों के बाहर डिजिटल डिस्प्ले लगे है, जिसके कारण मरीजों को गलत जानकारी दी जा रही, जिसका नतीजा है कि मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते हुए दम तोड़ रहे। अनिल कुमार ने आम आदमी पार्टी विधायक शोएब इकबाल द्वारा दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर हाइकोर्ट से की गई ।

कोरोना संक्रमण की वजह से हवलदार की मौत, अब तक 41 पुलिसकर्मियों की मौत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । कोरोना संक्रमण की चपेट में आने से दिल्ली पुलिस के कई जवान अपनी जान गवा चुके हैं। गुरुवार को भी दिल्ली पुलिस की आरटीआई सेल में तैनात हवलदार राजुल गुर्जर की कोरोना के चलते मौत हो गई। कोरोना संक्रमण के चलते उसका इलाज अस्पताल में चल रहा था जहां गुरुवार को डॉक्टरों ने राजू को मृत घोषित कर दिया। अब तक कोरोना से 40 से अधिक पुलिसकर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं। पुलिस के अनुसार हवलदार राजू गुर्जर दिल्ली पुलिस की आरटीआई सेल में तैनात था।

फिलहाल पुलिस मुख्यालय में वह कार्यरत था। कुछ दिन पहले तबीयत खराब होने पर राजू ने अपनी कोरोना जांच कराई थी जिसमें उसके

संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद से वह पहले घर पर आइसोलेशन में थे। लेकिन बाद में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वहां गुरुवार को मौत हो गई। उसके परिवार की तरफ से इसकी जानकारी दिल्ली पुलिस को दी गई है। राजू का परिवार मंडावली स्थित सरकारी आवास में रहता है। कोरोना संक्रमण की चपेट में आने से लगातार दिल्ली पुलिस के जवान अपनी जान गवा रहे हैं। कोरोना की पिछली लहर में जहां 34 पुलिसकर्मियों ने जान गवाई थी तो वही इस लहर में अब तक 7 पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी है। पहली लहर में जहां 7700 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हुए थे तो वहीं इस लहर में 1500 से ज्यादा पुलिसकर्मी संक्रमित हो चुके हैं।

DGCA ने लिया बड़ा फैसला, 31 मई तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगाई पाबंदी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के चलते सरकार ने नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 मई तक बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने आज एक सर्कुलर जारी कर कहा कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 मई की रात 11:59 बजे तक प्रभावी रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय कार्गो ऑपरेशन और महानिदेशालय द्वारा विशेष अनुमति प्राप्त उड़ानों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि चुनिंदा मार्गों पर नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति दी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि वंदे भारत मिशन और कुछ देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर उड़ानों की अनुमति इसी श्रेणी में दी गई है। परिपत्र में कहा गया कि यह प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय ऑलकार्गो संचालन और उड़ानों पर लागू नहीं होगा, जो विशेष रूप से डीजीसीए द्वारा अनुमोदित हैं। कोरोना के मामलों में देश भर में हो रही वृद्धि के मद्देनजर पैसेंजर एयर सर्विसेज का निलंबन 25 मार्च, 2020 में किया गया था। हालांकि घरेलू उड़ान सेवाएं 25 मई, 2020 से फिर से शुरू हो गई थीं।

हल्के लक्षणों वाले कोरोना मरीजों को दी जा सकती है एंटी वायरल दवा 'क्लेवीरा'

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । शुरूआत में डेंगू के इलाज के लिए विकसित की गई एंटी वायरल दवा 'क्लेवीरा' को कोरोना वायरस से संक्रमित हल्के और मध्यम लक्षणों वाले मरीजों के इलाज में सहायक उपचार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस दवा के निर्माता ऐपेल्क्स लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि दवा को लगातार 14 दिन तक भोजन के बाद मुंह से एक एक गोली के तौर पर लिए जाने पर यह प्रभावी है। इसे दिन में दो बार लिया जाना चाहिए।

चेन्नई स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी ने बयान में कहा,'' क्लेवीरा, एंटी वायरल दवा को हल्के से मध्यम लक्षण वाले कोरोना मरीजों को सहायक उपचार के तौर पर नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है।'' कंपनी ने कहा,'' क्लेवीरा को मुख्य रूप से 2017 में डेंगू मरीजों के उपचार के लिए विकसित किया गया था। पिछले साल, देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर इसे कोरोना संक्रमण के सहायक उपचार के तौर पर रखा गया है।यह दवा देशभर में 11 रूपये प्रति गोली की कीमत पर उपलब्ध है।''

बयान में कहा गया है कि पिछले वर्ष सौ लोगों पर इसका क्लीनिकल परीक्षण किया गया और उसके परिणाम ''आशाजनक '' थे।

कंपनी ने बताया, ''काफी कड़ी जांच और गहन विचार विमर्श के बाद, इस दवा को हल्के से मध्यम लक्षणों वाले कोरोना संक्रमित मरीजों के सहायक उपचार के रूप में मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी आयुष मंत्रालय के नियामकों ने दी है जो देश में इस प्रकार की पहली मंजूरी है। साथ ही केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान शोध परिषद (सीसीआरएएस) तथा अंतर विषयक तकनीकी समीक्षा समिति (आईटीआरसी) ने भी इसे जांचा परखा है।''

कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार विभाग के प्रबंधक सी आर्थर पाल ने बताया, ''क्लेवीरा लीवर और किडनी संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है और इसे दूसरी अन्य दवाओं के साथ देने में कोई नुकसान नहीं है। उन्होंने बताया कि इस दवा को दो साल के बच्चे से लेकर सभी आयु वर्ग के मरीजों को दिया जा सकता है।

BUSINET

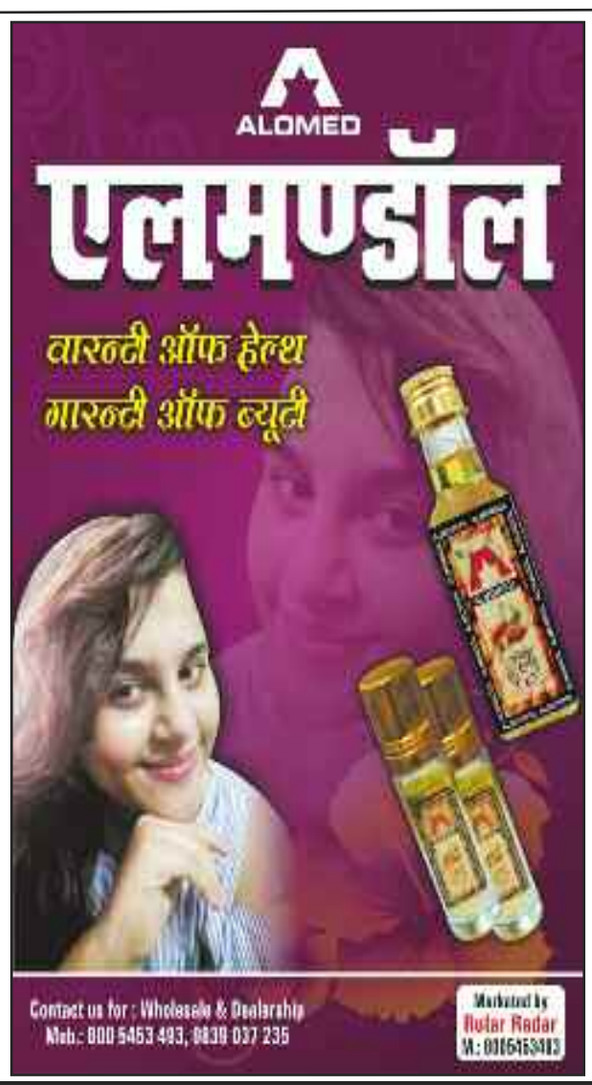

संपादकीय

कालेजों में खेल प्रशिक्षण के प्रबंध

हिमाचल के कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टार हैं, मगर उनके साथ हिमाचल का नाम नहीं है। उन्हें अपने ही राज्य में न तो परिचय मिला और न ही प्रश्रय, क्योंकि उन्हें तराशने का काम हिमाचल ने नहीं, औरों ने किया है। हिमाचल में महाविद्यालय स्तर पर खेल सुविधाओं का टोटा है। पंजाब की तरह यहां अभी तक महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग विद्यार्थी खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध नहीं है। पंजाब अपने विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय परिसरों में खेल सुविधा के अनुसार खेल विंग चलवा कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों की प्रतिष्ठित मौलाना अब्दुल कलाम ट्रॉफी पर कब्जा करता रहा है तथा खेल विंगों के माध्यम से ही उसने खेलों में श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किया हुआ है। प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयों में भी खेल विंग हो, इस कॉलम के माध्यम से पिछले दो दशकों से इस पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर तत्कालीन सरकारों का रवैया उदासीन ही रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है।

केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाड़ियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, धर्मशाला, बिलासपुर व सरस्वती नगर में एथलेटिक्स के विंग आसानी से चल सकते हैं क्योंकि यहां तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक हैं और चैथी जगह सरस्वती नगर में बन रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण के शिलारू केन्द्र में भी दो सौ मीटर का सिंथेटिक ट्रैक बिछ गया है। विद्यालयों में भी वहां पर एथलेटिक्स की नर्सरियां स्थापित हो सकती हैं। ऊना तथा मंडी में तैराकी के लिए तरणताल उपलब्ध हैं। शिलारू व ऊना में एस्ट्रोटर्फ हाकी के लिए बिछी हुई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। विद्यालय स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला के बास्केटबॉल खेल छात्रावास ने एक समय तक अच्छे परिणाम दिए हैं। हॉकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। यदि इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिलता है तो बात कुछ और हो सकती है। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है।

हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लड़कों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लड़कों की हॉकी, माजरा में लड़कियों के लिए हॉकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वॉलीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहडू में लड़कों को तथा कोटखाई में लडकियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहडू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथसाथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले बिलासपुर व धर्मशाला में खेल छात्रावासों की शुरुआत की थी। दो छात्रावास राज्य सरकार ने ऊना तथा बिलासपुर में चला रखे हैं। इन खेल छात्रावासों में अधिकांश बारह से चैदह वर्ष के खिलाड़ी बालक व बालिकाओं को ही प्रवेश मिलता है। स्कूल से निकल कर जब खिलाड़ी महाविद्यालय में प्रवेश ले रहा होता है तो उस समय उसकी उम्र अठारह वर्ष हो चुकी होती है। इसलिए इन खेल छात्रावासों में दाखिल होने के अवसर न के बराबर होते हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

बेहाल है देश का मजदूर

कोरोना महामारी की मार सबसे ज्यादा मजदूर वर्ग पर पड़ी है। इस कारण देश का मजदूर सबसे ज्यादा बेहाल है। एक मई को मजदूर दिवस पर गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश में मजदूर दिवस सांकेतिक तौर पर ही मनाया जायेगा। हालांकि पिछले वर्ष की तरह इस बार देश में लाकडाउन तो नहीं लगा हुआ है। मगर कोरोना का संक्रमण पिछले साल की तुलना में कई गुणा अधिक हो रहा है। कोरोना संक्रमण के कारण देश के अधिकांश प्रदेशों में सरकारी स्तर पर पाबंदियां लगी हुई है। जिनके कारण देश में मिनी लॉकडाउन जैसी स्थिति बनी हुई है। सरकारी पाबंदियों के चलते देशभर में बड़ी जनसभाएं, मीटिंग व अन्य कार्यक्रमों के आयोजन पर रोक लगी हुई है। इस कारण इस बार भी मई दिवस पर मजदूरों द्वारा कहीं भी बड़े कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया जाएगा। मात्र प्रतीकात्म रूप में ही मई दिवस मनाया जाएगा

दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित एक मई को मनाए जाने वाला मजदूर दिवस इस बार अन्य वर्षो की अपेक्षा अलग ढंग से छोटे रूप में मनेगा। कोरोना के कारण देश के कई प्रदेशो में चल रहे लाक डाउन व पाबंदियों के कारण देश के बहुत से कारखाने, हाटबाजार व अन्य व्यवसायिक संस्थान जहां मजदूर काम करते हैं बंद पड़े हैं। लाक डाउन के चलते काम बंद होने के कारण देशभर में अधिकांश मजदूर बेरोजगारी में हैं। ऐसी परिस्थिति में मजदूर दिवस मनाने की बात सोचना भी सही नहीं लगता है।

भारत सहित दुनिया के सभी देशों में मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है। हमारे देश का मजदूर वर्ग आज भी अत्यंत ही दयनीय स्थिति में रह रहा है। उनको न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजरबसर करते हैं।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 1212 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

कोरोना के कहर के चलते आज सब से ज्यादा परेशान देश के करोड़ों मजदूर हो रहे हैं। उनका काम धंधा एकदम चैपट हो गया है। उनके परिवार के समक्ष गुजरबसर करने की समस्या पैदा हो रही है। हालांकि सरकार ने देश के गरीब लोगों को कुछ राहत देने की घोषणा की है। मगर सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सहायता भी मजदूरों तक सही ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। इस कारण बहुत से लोगों के समक्ष रोजी रोटी का संकट व्याप्त हो रहा है। उद्योगपतियों व ठेकेदारों के यहां अस्थाई रूप से काम करने वाले श्रमिको को ना तो उनका मालिक कुछ दे रहा है ना ही ठेकेदार। इस विकट परिस्थिति में श्रमिक अन्य कहीं काम भी नहीं कर सकते हैं। उनकी आय के सभी रास्ते बंद हो रहे हैं। हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

मजदूर दिवस का क्या औचित्य?

किसी ने बहुत ही खुब कहा है कि, अगर इस जहां में मजदूर का नामोंनिशां न होता, फिर न होता हवामहल और नही ताजमहल होता।

देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए एक किसी कारखाने की छोटीसीछोटी मशीन चलाने वाले मजदूर से लेकर हवाई जहाज को उड़ाने वाले पायलट तक बहुत बड़ा योगदान होता है, अर्थात देश के विकास और आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने में मजदूर वर्ग का भी बहुत बड़ा योगदान होता है।

1 मई को हर वर्ष अन्तर्राष्ट्रिय मजदुर दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस जिसको मई दिवस के नाम से जाना जाता है। जो कि सारी दूनिया में एक 1 मई को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1886 में शिकागो में उस समय शुरू हुई थी, जब मजदूर अपने हकों के लिए एक क्रांति कर रहे थे। इस क्रांति में किसी एक शरारती तत्व ने क्रांति कर रहे मजदूरों की भीड़ पर बम बिस्फोट कर दिया था जिसमें कुछ मजदूरों की मौत हो गई थी। इस क्रांति को याद रखने के लिए 1889 में पेरिस में अतंराष्ट्रीय एक महासभा हुई जिसमें यह घोषणा कि गई कि इस फ्रेंच क्रांति को याद रखने के लिए संपूर्ण विश्व में अतंराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाए। जिस कारण विश्व के लगभग 80 देशों में आज भी यह अतंराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। लेकिन यह मजदूर दिवस, मात्र एक दिखावा ही रह गया है। अगर भारत की बात की जाए तो आज भी हमारे देश में कहीं कहीं मजदूरों के दशा दयनीय है। उन्हें आज भी उनका सही हक प्राप्त नहीं होता है अर्थात मेहनत के अनुसार उनका मेहनताना नहीं मिलता है। कई कई घंटों के काम करने के बाद भी उनको उनका अपना उचित हक नहीं मिलता है। सरकारें भी मजदूर दिवस पर कईकई बड़ी घोषणाएँ मजदूरों के लिए करती है। लेकिन यह घोषणा या तो मात्र एक दिन के लिए होती है या फिर यह सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। जो मजदूर कड़ी मेहनत करके बड़े बड़े औद्योगों को विकास के ओर ले जाता है वो आज खुद ही गरीबी से लाचार होकर जीवन जीता है और जो मजदूर बड़ी बड़ी बिल्डिगों का निर्माण करता है आज उन्हीं मजूदरों में से कुछ मजदूरों को रहने के लिए अच्छी छत नसीब नहीं होती है। आज भी मजदूर बच्चे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पाते हैं और न ही इलाज महँगा होने के कारण अपना इलाज सही तरह से करवा पाते हैं। आज जिस हिसाब से महँगाई बढ़ रही है उस हिसाब से इन मजदूरों के वेतन या दिहाड़ी में वृद्धि नहीं हो है। आज भी कुछ मजदूरों का शोषण हो रहा है। भारत में भी इस दिन सरकारें मजदूरों के हितों के लिए बहुत बड़ीबड़ी घोषणाएँ करती हैं। लेकिन शायद वो 1 मई तक ही सीमित रहती है या फिर वो घोषणाएँ सरकारी फाइलों में दम तोड़ती रहती है। मजदूर और मजबुर एक ही सिक्के के दो पहलु है।

मजदूरों के लिए कोई भी मूलमंत्र तभी वरदान सिद्ध होगा जब इन्हें गुलाम समझने की मानसिकता को हर कोई त्यागेगा, सताधारी और राजनेता इन्हें वोट बैंक के लिए मोहरा नहीं बनाएंगे। जब तक देश में भ्रष्टाचार का जंजाल रहेगा और जब तक देश के दूर दराज के सभी छुटपुट प्रधान से लेकर शहर के सांसद, विधायक और पार्षद इंसानियता दिखाते हुए जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अपनी नीयत साफ नहीं करते, तब तक जरूरतमंद राहत का इंतजार करते ही रह जाएंगे और इनके हक को समृद्ध और अन्य लोग हड़पते ही रहेंगे। जिस आजाद देश में आज भी मजदूरों को गुलाम समझा जाता हो, इनकी मजबूरियों का फायदा उठाया जाता हो, जहाँ वोट बैंक और कुर्सीसत्ता के लालची हों, उस देश में इस वर्ग की महत्ता कौन, कैसे और क्यों समझेगा? अगर इस वर्ग की किसी को भी चिंता होती तो कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन कारण इस वर्ग को भूखे पेट न सोना पड़ता और न ही मजबूर होकर इन्हें पलायन का मन बनाना पड़ता।

आज हमारे देश में मजदूरों की स्थिती उतनी अच्छी नहीं है जितनी होनी चाहिए। हर मौसम में अपने शरीर को भस्म करने के उपरांत भी कई स्थानों पर उनको सही हक नही मिलता है। मजदूर खुन के घूँट पिते हैं, लेकिन अपने ऊपर होने वाले जुल्मों या वेइसांफी के विरुद्ध अवाज भी नहीं उठाते हैं, जिसका एक कारण है मजबुरी और दूसरा उन्हें पता होता है कि हमारी अवाज को कोई नहीं सुनेंगा या हमारी कोई सुनवाएगी नहीं होगी। मजुबरी के कारण मजदूर मेहनत करने के बावजूद भी अपनी जरूरी इच्छाएं भी पुरी नही कर पाता है। उन्हें गरीबी का जीवन भी यापना करना पड़ता है। मजदुरों के लिए सरकार ने जो संसथाएँ बनाई है, वहाँ पर उनकी बात को कोई ध्यान से नहीं सुनता है। कईकई चक्कर लगाने पर उनका हक मिलता है। भारत सरकार को प्राइवेट दायरे में काम करने वाले लोगों और मजदूरों के बारे कुछ सोचना चाहिए, सोचना ही नहीं चाहिए बल्कि गंभीर होकर उनके हित के लिए अच्छे फैसले भी लेने चाहिए। उनके भविष्य के लिए भी योजनाएँ बनानी चाहिए, योजनाएँ बनानी ही नहीं बल्कि उन्हे गंभीरता से लागु करवाना भी चाहिए। मजदुरों के बिना कोई भी उद्योग तरक्की की राहों मे नहीं जा सकता है।

कार्ल मार्क्स मजदूरो के हितो बारे सोचने वाले थे, उन्होने अपनी लेखनी की ताकत से गरीब, मजदूरो के शोषण को रोकने के लिए आवाज बुलंद की थी, लेकिन आज आजाद भारत में मजदुर वर्ग का कही कही खुब शोषण हो रहा, इस कारण मजदूर वर्ग गरीबी के दलदल में धंसता जा रहा है। आज भारत में जो अमीर और गरीब के बीच जो खाई बढ रही है, उसका मुख्य कारण सरकारो का मजदूर और गरीब वर्ग की तरफ ढुलमुल रवैया और भ्रष्टाचार भी है और रही सही कसर आरक्षण ने पूरी कर दी है। सरकारे मजदूरो और गरीबो के उत्थान के लिए बाते तो बडी बडी करती है लेकिन उन पर खरा जरा भी नहीं उतरती है। जब तक सरकारे मजदुर और गरीब वर्ग के हित के लिए नीयत साफ नही करेगी और देश में से भ्रष्टाचार का अंत नही होगा तब तक मजदूरों के अच्छे दिन कभी नहीं आएंगे।

राजेश कुमार चौहान
जालंधर।
www.womenexpress.in

कोरोना पीड़ित मजदूरों के सुख दुःख में भागीदारी का दिवस

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस हम ऐसे समय में मनाने जा रहे है जब मजदूरों पर भारी विपदा आ पड़ी है। कोरोना की पहली लहर के बाद दूसरी लहर ने सबसे ज्यादा मजदूर वर्ग को भयाक्रांत किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 45 करोड़ से भी ज्यादा लोग एक जगह से दूसरी जगह पर जाकर काम करते हैं। इनमें लगभग 6 करोड़ लोग अपना राज्य छोड़कर दूसरे राज्य में जाकर मजदूरी करते हैं। देश की उन्नति और प्रगति में सर्वाधिक योगदान देने वाला यह वर्ग अकाल हो या बाढ, गर्मी हो या सर्दी की विभीषिका, प्राकृतिक आपदा हो या कोरोना जैसी महामारी सबसे पहले इन महासंकटों का शिकार होता है।

कोरोना की दूसरी लहर से कल कारखाने एक बार फिर बंद होने के कगार पर है और मजदूर खाली हाथ अपने घरों को लौटने को मजबूर है। पिछले साल दर दर की ठोकरे खाने वाले लाखों मजदूर एक बार फिर लोक डाउन और रोजी रोटी छिन जाने के भय से अपने घरों को लौटना शुरू कर दिया है। कोरोना महामारी के काल में लाखों करोड़ों मजदूर या तो बेकार हो गए है अथवा भय और भूख के साये में जीवन यापन को मजबूर हो गए है। यह विपदा कोरोना वायरस की है जिसने दुनियाभर में मानवता को दबोच रखा है। इसकी मार मजदूर वर्ग पर ज्यादा पड़ी है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में अच्छा खासा योगदान देने वाले मजदूर वर्ग से दो हाथों का काम छीन गया है और रोजी रोटी के लाले पड़ गए है। कोरोना का असर पूरे देश में सामान्य जनजीवन पर तो पड़ा ही रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा वो गरीब मजदूर इससे प्रभावित हो रहे है, जिनका जीवनयापन रोज की दिहाड़ी से होता है। ऐसे दिहाड़ी मजदूर कोरोना की दूसरी लहर से कर्फ्यू सहित अनेक पाबंदियों और अघोषित लॉकडाउन के चलते घर से निकल नहीं पा रहे हैं, जिसके चलते इनका कामकाज ठप हो गया है। इनके सामने जीवनयापन का भी संकट पैदा हो गया है। रोजाना 100-200 रुपये कमाने वाले इन दिहाड़ी मजदूरों के पास अपने बच्चों और परिवार को खिलाने के लिए राशन तक नहीं हैं। सरकारी राशन भी इन्हें राजी खुशी मुहैया नहीं हो पा रहा है। इन मजदूरों के पास रोजमर्रा के जरूरी सामान और राशन खरीदने तक को पैसा नहीं हैं।सरकार ने वेक्सीनशन का अभियान चलाया है। मजदूर देश की सम्पति है। सरकार के साथ औद्योगिक प्रतिष्ठानों को अपने कामगारों को रोजी रोटी की सुविधा के साथ मुफ्त वेक्सीनशन कराकर अपनी जिम्मेदारी का वहन करना चाहिए। आइये हम इस दिवस की महत्ता को पहचाने और कोरोना से पीड़ित मजदूरों के साथ अपनी एकजुटता प्रकट करें।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पूरे विश्व में 1 मई को मनाया जाता है। मजदूर हमारे समाज का वह तबका है जिस पर समस्त आर्थिक उन्नति टिकी होती है। वह मानवीय श्रम का सबसे आदर्श उदाहरण है । आज के मशीनी युग में भी उसकी महत्ता कम नहीं हुई है। उद्योग, व्यापार ,कृषि, भवन निर्माण, पुल एवं सड़कों का निर्माण आदि समस्त क्रियाकलापों में मजदूरों के श्रम का योगदान महत्वपूर्ण होता है। मजदूर अपना श्रम बेचता है। बदले में वह न्यूनतम मजदूरी प्राप्त करता है। उसका जीवनयापन दैनिक मजदूरी के आधार पर होता है। जब तक वह काम कर पाने में सक्षम होता है तब तक उसका गुजारा होता रहता है। जिस दिन वह अशक्त होकर काम छोड़ देता है, उस दिन से वह दूसरों पर निर्भर हो जाता है । भारत में कम से कम असंगिठत क्षेत्र के मजदूरों की तो यही स्थिति है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की न केवल मजदूरी कम होती है, अपितु उन्हें किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा भी प्राप्त नहीं होती । महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति स्वय को मालिक या प्रबंधक समझने की बजाय अपने आप को ट्रस्टी समझे । आजादी के बाद देश ने विज्ञान, कृषि, उद्योग, सूचना प्राद्योगिकी, तकनीक सहित अनेक क्षेत्रो में तरक्की की लेकिन इस तरक्की से कौसो दूर रहे मजदूर वर्ग को जीवन यापन के लिए आज भी कड़ी मशक्कत से गुजरना पड़ता है। देश के विकास में मजदूर वर्ग का एक बड़ा योगदान होने के बावजूद भी मजदूर वर्ग की निजी जिंदगियाँ विकास से अछूती रही हैं । दुनियां के मजदूरों एक हो का नारा हमने बुलंद किया।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

मजदूर भी इंसान है

दुन्यवी हर शै में मजदूर के पसीने की उर्जा बसी है, मजदूर के लोखंडी जिस्म की तनतोड़ मेहनत से रचा बसा है हमारा संसार। सोचो मजदूर नहीं होते तो हम कितने बेबस होते। घर के निर्माण से लेकर घरकाम तक हम निर्भर होते है। पर क्या हमने कभी सोचा है मजदूर की निज़ी ज़िंदगी के बारे में मेहनत के बदले में कितनी कम मजदूरी मिलती है, मुश्किल से परिवार निर्वाह चलता है। बड़े लोगों को साहिब क्यूँ फ़र्क पडेगा आज कौन सी तारीख़ है, मज़दूर तलबगार होते है पहली तारीख़ के। मनाते है बड़े लोग जब मन चाहे जश्न लूटाकर लाखों रुपये मजदूर की पहली तारीख को मनती है होली, दीवाली। कब सुबह करवट बदलकर ढ़ल जाती है रात में मज़दूर को कहाँ फुर्सत अपनी पूजा काम से, तनमन से वो वफ़ादार है अपने मालिक भगवान से।

झाँको कभी उनके अंदर भी मिलेगा इंसान ही, समझ रखा है जिसको बस सबने एक यंत्र समान। खून पसीना जलाकर देता है अपना तमाम। नहीं देखता जाड़े की सर्दी, तपती धूप में जलता है रातरात भर जागकर काम को कर्म का नाम ही देता है। बैशाखी तपती धूप हो या हो भरी बरसात, क्या जलाए मौसम की मार लोहे के बने इंसान को। तन तोड़कर देता है मजदूर मालिक को अपना सबकुछ।

बदले में क्या मिलता है उनको सुरक्षा के इन्तज़ाम, जब होता है बिमार तब क्या छुट्टी पूरी मिलती है,परिवार की नींव सा मजदूर मशीन के साथ खेलते खुद मशीन बन जाता है। हाथ कभी कट जाते है तो कभी ऊँगलियों की बारी, बड़े लोग क्या करते है परवाह मजदूर के घरबार की।

1 मई को मनाकर दिन मजदूरों के नाम से, उल्लु सीधा करते है सब अपनेअपने स्वार्थ के, झाँककर देखो पुछो कभी तो पास बैठो इनके भी, क्या चाहिये सलामती की तुझको कोई पतवार। 12 घंटों तनमन ताने उपर से ऑवर टाइम भी करता है, इंसान है भैया मशीन नहीं ये रहम करो इन पर। सरकारी नौकर नहीं जो पैंशन से पल जाएगा परिवार का वहन करते खतम खुद हो जाता है।

समझो, जानो, पुछो दर्द कभी मज़दूर का
जो देता है तुमको अपनी उम्र का ज़्यादातर हिस्सा। उनको तुम भी दे दो सुरक्षा मरने के बाद की। परिवार की परवाह लिये वो दम तोड़ दे जब भी जिम्मेदारी लो तुम भी डूबते एक संसार की। बड़े लोग हो मजदूर के परिवार को जलाती धूप को दे दो परवाह की छैंया इनके दम पर चलती है सबके जीवन की नैया।।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

मजदूर दिवस और मजदूरों की व्यथा

आज मजदूर दिवस है। किसी भी दिवस को मनाने के लिए उससे जुड़ी खूबसूरत यादों को दोहराया जाता है, पर मजदूर दिवस में ऐसी कौन सी खूबसूरती है । जिसे दोहराने के लिए मजदूर दिवस मनाया जाता है , मुझे समझ नहीं आता । ना जाने कितने ही लोग इन मजदूरों के श्रम पर आज बहुत ही ऊँचे ऊँचे पद भी तक जा पहुँचे हैं । जिनके घरों में दो वक्त की रोटी मुश्किल होती है ।उन्हीं के हाथों से किए काम की बदौलत लोग देशविदेश तक अपने नाम को प्रख्यात कर पाते हैं । बड़ी ही विकट परिस्थिति है ना। नींव रखने वाला ही दयनीय है आखिर क्यों कभीकभी सोच मन विचलित हो जाता है।

फिर समझ में आता है। शिक्षा जिसने जितनी शिक्षा प्राप्त की वह उस पदवी पर पहुँच गया। शिक्षा का बहुत बड़ा प्रभाव हर इंसान की जिंदगी पर पड़ता है । पर क्या शिक्षित होकर शिक्षा प्रणाली को इतना महँगा कर देना कि कुछ वर्क के लोग उसे चाह कर भी प्राप्त न कर सकें । यह बात कहाँ तक उचित है मुझे समझ नहीं आता । आज शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था दिन पर दिन ऐसी होती जा रही है कि कहने में भी शर्म से महसूस होती है ।ऑनलाइन क्लासेज के दौर में भी सभी विद्यालय धड़ल्ले से फीस बढ़ा रहे हैं । सिर्फ ट्यूशन फी ना लेकर वह मेंटेनेंस और अदर सारी फीसों को ले रहे हैं । बिना यह सोचे कि जो इंसान घर में बैठा है। वह इसे कहाँ से भर पाएगा। जिसकी नौकरी चली गई है वह अफोर्ड ही नहीं कर सकता । ऐसी परिस्थिति में मजबूर होकर के हर उस इंसान को पढ़ाई के स्तर से कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है।

जहाँ वह यह सोचता है कि दो वक्त की रोटी पूरी की जाए या इस शिक्षा के मनमानी फीस को भरा जाए , होनहार बच्चे सिर्फ पैसे के अभाव में पढ़ नहीं कर पाते । नहीं तो शिक्षा की प्रणाली गांव और शहर में एक समान सी ना होने की वजह से कई बच्चे शिक्षा के इन अमृत रूपी ज्ञान से वंचित रह जाते हैं ।क्षअभी हाल ही में मैंने देखा था कि किसी गांव के एक युवक ने प्लेन बनाने की ठानी। वह युवक पढ़ा लिखा नहीं था ।पर यह इंसान शिक्षित होता तो अच्छे अच्छों को पीछे छोड़ देता ।जिस इंसान ने बिना शिक्षा प्राप्त किए इतना

बड़ा काम किया हो उसको नमन बनता है। मुझे उसका नाम याद नहीं पर यूट्यूब पर सर्च करने पर शायद आप लोगों को उसकी कहानी जरूर मिल जाएगी। उसका परिवार किसान था आजकल किसानों की जो दुर्दशा हो रही है उससे कोई भी अनभिज्ञ नहीं है आँख बंद कर लेना एक अलग बात होती है। हमारे प्लेट में रोटी आ रही है , किसी के साथ क्या हो रहा है हमें क्या पता । हम चांदी के बर्तन में खा रहे हैं ना हम सोने की गाड़ियों में घूम रहे हैं ना किसी के साथ हो रहा उसके सपने के आगे उसकी हर समस्याओं ने दम तोड़ दिया। पूरे गाँव वालों ने चंदा इकट्ठा कर उसकी मदद की , उसने कहा था कि उसने 70% प्लेन बना लिया है ।वह भी उन चीजों के बदौलत जो कबाड़ में पड़े रहते थे वह पुरुष है जिन्हें खरीदना मजबूरी थी सिर्फ उसने उन्हें ही रेडीमेड खरीदा था। उसके जज्बे को मैं सलाम करती हूँ। उसने सरकार से गुहार लगाई थी, कि उसे कुछ पैसों की आवश्यकता है सरकार उसकी मदद करें। उस दिन ऐसा लगा मानो अगर है हमें क्या पता । नहीं उस चांदी व सोने के बर्तन तक पहुंचाने में । उसी अन्य को उगाने वालों का हाथ होता है । इसलिए यह सोचना तो बनता है हम जिन बड़े बड़े घरों को देखते हैं, महलों को देखते हैं, इमारतों को देखते हैं,पुलों को देखते हैं, मौलों को देखते हैं ,इन सभी का निर्माण इन छोटेछोटे मजदूरों ने हीं किया है । जिसका हम भरपूर लाभ उठाते हैं । उसके सुख सुविधाओं को जीने में हमें कभी यह याद नहीं आता कि उसका निर्माण इन्हें मजदूरों ने किया है। आज मजदूर दिवस है । तो क्या इस मजदूर दिवस पर कुछ ऐसा ना किया जाए कि किसी एक मजदूर के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके । हर इंसान अगर यह काम करना सीख ले तो शायद इस दुनिया से इतनी गरीबी इतनी लाचारी और इतनी मजबूरियों को कम किया जा सकता है लेकिन नहीं यहाँ तो लोग अपनी जेबों को भरने में लगे रहते हैं । उन्हें देश की नहीं पड़ी उन्हें अपनी पीढ़ियों की पड़ी है । उन्हें विदेशी यात्राओं की पड़ी है। उन्हें हर वह चीज चाहिए जो उन्हें अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। किसी के पास दो वक्त की रोटी हो या ना हो। शर्म आती है ऐसे नेताओं पर और इनके ऐसे कार्यों पर बोलने से पहले लगता है कि क्या मुझे यह बोलना चाहिए पर फिर मन कहता है अगर उन्हें करने में शर्म नहीं तो मुझे बोलने में क्यों इस कोरोना मैं ना जाने कितने मजदूरों ने अपने व्यवसाय को गवा दिया है जिसकी बदौलत उनके परिवार का भरण पोषण हुआ करता था। व्यवसाय पर निकले मजदूर आज वापस अपने घर तक सुरक्षित पहुंच भी पाएंगे या नहीं पता नहीं। कभी मजदूरों का काफिला साइकिल से निकल पड़ता है, तो कभी पैदल ।उनकी भी क्या दुर्दशा कर दी है । इस कोरोना ने क्या गलती थी उनकी , दो वक्त की कमाते थे और खाते थे यही । या इसके लिए कहीं ना कहीं हम में से ही कोई ना कोई जिम्मेदार है। विदेशी यात्रा उन्होंने नहीं की इस वायरस को लाने वह नहीं गए । पर हर्जाना वह पूरा भर रहे हैं। कहीं रोटी गवा कर, तो कहीं जान गवा कर, परिवार अधूरे हो रहे हैं ।

पूनम शर्मा स्नेहिल
www.womenexpress.in

मैं मजदूर हूँ

दुनिया जानती है जिसकी महिमा,
आगरा का वैभवशाली ताज।
दिल्ली का कुतुबमीनार मीनार,
जिस पर है दुनिया को नाज।
तिरुपति, स्वर्ण, ज़ामा को,
सबसे पहले मैंने देखा।
भाखड़ा के नींव पर पत्थर,
सबसे पहले मैंने फेंका।
मैं जिनके कभी करीब था,
आज मैं उनसे ही दूर हूँ।
मैं कोई और नहीं,
मैं एक मजदूर हूँ।
अमीरों की गगनचुंबी इमारतें,
खड़ा किया मैंने कारखानों को।
नालंदाकाशी विश्वविद्यालय जैसे,
शिक्षा दीक्षा के संस्थानों को।
दुनिया जानी ज्ञान की बातें,
मेरे बच्चे क..ख..नहीं सीख पाए।
प्रज्वालित किया मैंने जग को,
मुझमें ज्ञानज्योत नहीं जल पाए।
अपने लिए मुझे फुर्सत नहीं,
मैं दूसरों के खातिर चूर हूँ।
दुनिया का बोझ उठाता हूँ,
मेरे सिवाय और कौन उठाएगा।
अगर मैं कंधे डाल दूँ तो,
यह जग औंधे मुँह गिर जाएगा।
जीवन बीता पर हित करते,
शेष जीवन परहित में ही बिताऊँगा।
ऐ दुनिया! मुझ से कंधा मिला,
मैं भी धन्य हो जाऊँगा।
दुनिया को बाँहों में समेटे,
मैं मेहनत का एक नूर हूँ।
मैं एक मजदूर हूँ....
मैं एक मजदूर हूँ।

टीकेश्वर सिन्हा
घोटियाबालोद (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

मैं मजदूरी करती हूँ...

अपने पाँव खड़ी मैं होकर,
मार सभी कष्टों को ठोकर,
संतति पालन करती हूँ,
मैं मजदूरी करती हूँ।

पति ने छोड़ा यह जग डेरा,
स्वाभिमान श्रृंगार है मेरा,
मांग में भर अपनी इज्जत को,
गर्व के संग संवरती हूँ।
मैं मजदूरी करती हूँ।

महल सदन के हम निर्माता,
मतलब हम हैं आश्रयदाता,
नव निर्माण सदा ही करके,
निज अशना को हरती हूँ।
मैं मजदूरी करती हूँ।

यद्यपि अधिक न दाम चाहिये,
बस हमको सम्मान चाहिये,
देखे दुनिया मान से हमको,
यही अपेक्षा करती हूँ
मैं मजदूरी करती हूँ।

रेश चन्द्र उनियाल,
पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड ।
www.womenexpress.in

माँ अब तो सुन लो मेरी पुकार

चारों तरफ मचा है आज हाहाकार।
बच्चें बुढ़े सब के सब है
आज लाचार ।।
माँ तेरे दर पे लगा रहे हैं आज गुहार।
माँ अब तो सुन लो मेरी पुकार ।।
मानते हैं हम सब तेरे
अपराधी हैं ।
किन्तु आज तुम्हारी शरण मे
आये हैं ।।
अपने भक्तों को क्षमा कर दो माँ ।
हम सब पर असीम कृपा
प्रदान करो माँ।।
अपने बच्चों को बचा लो इस
महामारी से माँ ।
नई जीवन दान दे दो इस
महामारी से माँ ।।
हम जाये भी तो कहाँ जाएं
इस महामारी में माँ ।
दूर भगा दो इस कोरोना को
अब इस दुनियां से माँ।।
कितने मासुम की जिंदगी छीन
ली इस कोरोना ने ।
लाखों बेकसुर को सजा दिया
है इस कोरोना ने ।।
अब तू अपनी दयादृष्टि नही
दिखाएगी माँ ।
तो तेरे ही बनाये दुनिया का
अंत हो जायेगा माँ।।
जिस तरह तूने चण्डमुंड का
वध किया ।
जिस तरह तूने रक्त बीज का
संहार किया ।।
उसी तरह इस कोरोना का
विनाश करो माँ ।
उसी तरह हम सब को इस
मजधार से पार करो माँ ।।

मनीषा कुमारी
मुम्बई ।
www.womenexpress.in

मजदूर

जिसके सर पर बोझ है घर
चलाने का
वो एक मजदूर हैं इस जमाने का ,
पेट की भूख मजबूर कर देती
हैं हल चलाने को ।
माथे पर तेज पसीना
टिपटिपाता है तेज धूप में ।
फिर भी धीरे धीरे काम करता
रहता हैं।
शाम होने का वो इंतजार करता
दिन ढलने का।
अब छुट्टी का समय हो रहा घर
जाने की जल्दी हैं।
घर पहुंच कर पत्नी और बच्चों
से मिलता है तो।
दिन भर काम की थकान दूर
हो जाती है।
दो निवाले प्रेम से खाता है
और रात गुजर जाती हैं ।
सुबह उठकर फिर जल्दी जल्दी
काम पर भागने की चिंता रहती हैं।
और रास्ते में सोचता है मैं
मजदूर यही मेरी कहानी हैं।
दो वक्त की रोटी मेरे जीवन
की निशानी है।
जिसके सर पर बोझ है घर
चलाने का
वो एक मजदूर हैं इस जमाने का।

शैलेन्द्र पयासी
विजयराघवगढ कटनी ।
www.womenexpress.in

श्रमिक

श्रमिकों पर ही टिका हुआ है,
राष्ट्र का औद्योगिक विकास।
फिर क्यों उसे भटकना पड़ता,
लिए बस दो रोटी कि आस।

इतनी नहीं मजदूरी उसकी,
कि बच्चों का करे विकास।
स्कूल की फीस भरने को,
नहीं होता पैसा उसके पास।

बच्चे भी फिर करते मजदूरी,
शोषण का होते शिकार।
नहीं उन्हें मिल पाते हैं ,
बच्चों के मौलिक अधिकार।

पीठ पर बांधे छोटा बच्चा,
मेहनत करती महिला मजदूर।
नहीं व्यवस्था उसके बच्चों की,
होती है वह असहाय ,मजबूर।

श्रमिकों के कठिन परिश्रम का,
मिलना चाहिए पूरा भुगतान।
देश की प्रगति में योगदान का,
होना चाहिए पूरा सम्मान।

शिप्रा सैनी (मौर्या)
जमशेदपुर ।
www.womenexpress.in

सशक्त महिला

सब्जी बेचने वाली महिलाएं
अपने सर पर उठाए बोझा
मोहल्ले मोहल्ले घूम कर
आवाज लगाती सब्जी ले लो
कौन कहता है कि महिलाएं
कमजोर होती
पुरुष सुबह टहलने के लिए
उठने और चलने में
आलस कर जाता
मगर महिलाएं आज भी
बच्चों को पालने / घर को सँभालने/
रोजगार में
पुरुषो से आगे हो गई
महिलाएं स्त्री शाक्तिकरण के पक्ष में
श्रम की परिभाषा क्या होती
ये पुरुषों को समझा जाती है।

संजय वर्मा
धार (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

कातिल निगाहें

ये कैसी कातिल निगाहें हैं तेरी
तडपाना मुझे क्या है फितरत तेरी ?
सोचता हूँ मैं तुझसे लिपट
जाऊं आकर
जरा फिर गलियों से गुजर तू तो मेरी,
मैं कदमो पर तेरे जो अश्क बहाऊँ
तू मिलने ही आ या तड़प रख मेरी
ये कैसी कातिल निगाहें हैं तेरी
तडपाना मुझे क्या है फितरत तेरी ?
तेरे चेहरे पे जो मासूमियत है
यही मासूमियत जान लेता मेरी
दबी सी मुस्कान तेरी खुले
जुल्फ तेरे
बताती मुझे प्यार कितना है मुझसे
ये अदाएं तेरी जान लेती हैं मेरी
मेरी जान, जान लेना क्या
फितरत तेरी?
अंकुल की नजरों में नजरें तो डालो
मुझे तुम सम्भालों तुम्हे हम संभालें
फिर लिपट जाए तू बनकर के मेरी
ये अदाएं तेरी जान लेती हैं मेरी
ये कैसी कातिल निगाहें हैं तेरी

अंकुल त्रिपाठी निराला
(प्रयागराज) उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

चुप रहकर बोल जाती हूँ

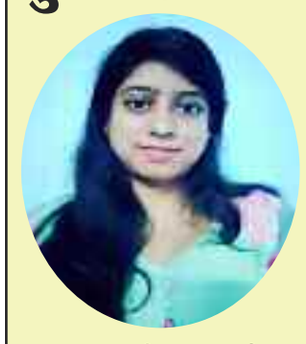

चुप रहकर भी बहुत कुछ बोल
जाते हो,
खामोश होकर तुम इतना
क्यों सताते हो?
कहते हो कि प्यार मैं तुमसे
बहुत करता हू,
हर बार मेरे प्यार को, क्यों
आजमाते हो?
बड़ी दीवानगी है कमबख्त तेरे
इकरार में,
इंतजार ए लम्हा को इतना क्यों
बढ़ाते हो?
इल्म मुझे की तुम मगरूर हो
बहुत ज्यादा,
मासूम बन मनसूबों में पानी
क्यों गिराते हो?
बातों में फेर बदल कर, खूब
गुमराह किया,
फिर मीठी मीठी बातों में क्यों
फसांते हो?
अनकही बातें , समझने का
हुनर जानते हो,
लेकिन कहने से अनसुना क्यों
कर जाते हो?
जानती हूं तुम्हारे ,चेहरों में कई
चेहरे हैं छिपे,
जसबतों के नए नए अक्स
क्यों दिखाते हो?

प्रणाली श्रीवास्तव
सहडोल, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मैं चांद सा तुम मेरी चांदनी

मैं चांद सा तुम मेरी हो चांदनी
जिंदगी हो जैसे अपनी रागनी
मैं चांद सा तुम मेरी हो चांदनी।।

करते हैं ये वादा आज तुमसे सनम..
साथ निभाऐंगे हम जब तक हे दम..
जिंदगी मे मिल के आज भर
देंगे रंग
मैं चांद सा तुम मेरी हो चांदनी

दुनिया ढ़ाऐगी यदि हम पे सितम
साथ मिलके ही सहेंगे हम हमदम
छोड़ेगे ना साथ तेरा जब तक है दम

मैं चांद सा तुम मेरी हो चांदनी

आंखों मे ना आने दूंगा आंसू कभी
दिल के हर कोने मे सिर्फ़ तू बसी
तेरी एक मुस्कान देख जीते हैं हम

मैं चांद सा तुम मेरी हो चांदनी

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

श्रमिकों पर बरसायें श्रद्धा के फूल

मजदूर दिवस मनायें सम्मान करें।
यही तो हैं ये खून पसीना दान करें।।
मालिक हेतु करते ये डट कर काम।
इनके मजदूरी का देना पूरा दाम।।
चरमरा गयी है सभी अर्थ व्यवस्था।
कोरोना में घाटा की बनी अवस्था।।
लाखों अरबों में नित होता है घाटा।
रोजी रोटी है छूट रही उसका घाटा।।
मजदूर दिवस भले है आज मगर।
इनका बहुत बुरा ही है ये हाल डगर।।
ऐसी स्थिति में है आ पहुंचा यह देश।
रोज ही निकल रहा है कोरोना केस।।
कहाँ कमायें यह अपनी रोजी रोटी।
सब तो है बंद पड़ा खायें कैसे रोटी।।
निकल न सकती कोई जुलूस रैली।
ना ही दे सकते हैं मजदूरों को थैली।।
दिल में हो इनके लिए भी सम्मान।
रखें खाने पीने एवं जीने का ध्यान।।
अगर ना होते धरती पर यह मजदूर।
बनता कैसे यही ताजमहल मशहूर।।
दिखता चिमनी से नहीं धुँआ उठान।
ना भट्ठा सीमेंट सरिया रेता दुकान।।
मजदूरों के बल पे ही होता है काम।
मिल फैक्ट्री इंडस्ट्री का हरेक काम।।
इनके बिना अधूरा है ये हैं श्रम फूल।
इन्हें कभी बिलकुल मत जाना भूल।।
श्रमिक हमारे आप जैसे ही हैं इंसान।
इन्हें भी बच्चे परिवार देते हैं भगवान।।
इन्हें भी आदर करें पोछें इनके धूल।
इन पर बरसायें श्रद्धा के कुछ फूल।।

डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव
प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश ।

कोरोना बीमारी बड़ी ही भारी

कोरोना बीमारी बड़ी ही भारी,
कोरोना ने रौद्र रूप दिखाया,
पूरे जग में त्राहि त्राहि मचाई।

मौत का तांडव चारों ओर छाया,
श्मशान में भी जगह न पायी ,
जग में चारों ओर हाहाकार मचा,
बच्चे बूढ़े युवा कोई नही बचा,
क्या अमीर गरीब, नेता अभिनेता,
कोई भी इससे बच न पाया ,
सभी इसकी चपेट में आए ,
कोरोना बीमारी बड़ी ही भारी।

मेल मिलाप कोरोना को निमंत्रण,
एक की बीमारी सब पर भारी ,
इसकी छाया सब पर छायी ,
खुशियाँ त्यौहार गम में बदले ,
मानवता,सौहार्द सभी कुछ भूले,
महामारी ने सभी कुछ भुला दिया ,
महामारी ने तबाह कर दिया ,
कोरोना बीमारी बड़ी ही भारी ।

अस्पताल सभी भर गये ,
श्मशान में भी जगह न मिली ,
ऑक्सीजन को भी तरस गये ,
हे ईश्वर ! हम पर कृपा करो ,
इस बीमारी से हमें बचाओ,
कोरोना बीमारी बड़ी ही भारी।

मंजुलता
जोधपुर (राजस्थान) ।
www.womenexpress.in

कोशिश

जग में मुस्कुराना आसान नहीं है
फिर भी हर पल मुस्कुराईये
जिन्दगी को जीना बहुत कठिन है
हैंसकर जीवन को बिताईये
दोस्त बनाना आसाना नहीं है
फिर भी दोस्ती का हाथ बढ़ाईये
दुश्मन बनाना बहुत सरल है
पर दुश्मनी को दूर भगाईये

भूख से लड़ना बहुत कठिन है
मेहनत से भूख मिटाईये
सुखमय जीवन नामुमकिन है
नामुमकिन को मुमकिन बनाईये
हर नुक्कड़ पर गम खड़ा है
गम से मत घबराईये
खुशी के ऑसू छलक जायेगें
गम को हर पल भूल जाईये

सुख दुःख जीवन के दो पहिये हैं
साथ साथ इन्हें गले लगाईये
इक दिन दुःख दूर भग जायेगा
आशा की पौधा लगाईये
रात अंधेरी दीख रहा है
हिम्मत की दीपक जलाईये
दीपक की लौ से डरता है अंधेरा
इनको भी तो आजमाईये
दुःख का सागर उमड़ रहा है
निराश अपने को ना बनाईये
धैर्य की नैय्या पर सवार होकर
दरिया को पार लग जाईये

रोने वाला भी हँसता है
मुस्कुराने की पहल तो कीजीये
सकारात्मक सोंच से मंजिल मिलता है
नकारात्मक को पास ना बुलाईये
अकेला चिराग अंधेरे से लड़ता है
चिराग सा हिम्मत जुटाईये
खुशियाँ इक दिन कदम चुमेगी
दीपक सा सोच बनाईये

माना कि ठोकर दर्द दे जाता है
पर ठोकर से मत घबराईये
गिरने वाला धावक बनता है
नन्हें बालक से सीख पाईये
कौन कहता है मंजिल नहीं मिलती
चलने की आदत तो डालिये
निरंतर चलने से मुकाम मिलता है
चलने की कोशिश फरमाईये

कड़ी मेहनत सफलता की
कुंजी है
मेहनत को दोस्त बनाइये
लगातार मेहनत करने से
सफलता के द्वार पहुँच जाईये
अंधेरे में भी प्रकाश छुपा है
अंधेरे में भी चलने की आदत बनाईये
कोई साथ गर ना मिलता हो
अकेले ही आगे बढ़ जाईये।

उदय किशोर साह
बाँका, बिहार ।

मजदूर में बसे इंसान की खोज अभी बाकी है

खो बैठा एक दिन की मजदूरी,
आज एक मजदूर मजबूरी में रोया था।
जाने किसके लिए मई दिवस ये आता
है, परिवार आज उसका फिर भूखा ही
सोया था।। अधोलिखित पंक्तियों का
अर्थ केवल दिहाड़ी मजदूर तक
सीमित नहीं है। यह हमेशा से चले आ
रहे मजबूर मजदूर की दीन गाथा है। वे
जितना मजबूत बनना चाहते हैं उतना
ही मजबूर बनते जाते हैं। उनके लिए
दो जून की रोटी, बदन पर एक लत्ता
और सिर पर एक छत की अभिलाषा
गीता और कुरान से अधिक महत्व
रखती है। दुनिया चाहे ईश्वर ने बनाई
हो, पर इसे बदलने और गढ़ने वाला
तो मजदूर ही है। आज उनका दिन है,
यानी मई दिवस है। जबजब श्रम का
शोषण किया जाता है तबतब विद्रोह
बाहुबली की भाँति अपना दमखम
दिखाता रहता है। इस सच्चाई को
ठुकराने का ही परिणाम था कि एक
मई 1886 को अमेरिका में मजदूरों
के आंदोलन ने उपद्रवी रूप ले लिया।
इस आंदोलन के दौरान अमेरिका में
मजदूर काम करने के लिए 8 घंटे का
समय निर्धारित किए जाने को लेकर
आंदोलन पर चले गए थे। 1 मई,
1886 के दिन मजदूर लोग रोजाना
1515 घंटे काम कराए जाने और
शोषण के खिलाफ पूरे अमेरिका में
सड़कों पर उतर आए थे। इस दौरान
कुछ मजदूरों पर पुलिस ने गोली चला
दी थी जिसमें कई मजदूरों की मौत हो
गई और 100 से ज्यादा लोग घायल
हो गए। इसके बाद 1889 में
अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की
दूसरी बैठक में एक प्रस्ताव पारित
किया गया जिसमें यह घोषणा की गई
कि 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस
के रूप में मनाया जाएगा और इस दिन

सभी कामगारों और श्रमिकों का
अवकाश रहेगा। इसी के साथ भारत
सहित दुनिया के तमाम देशों में काम
के लिए 8 घंटे निर्धारित करने की
नींव पड़ी। भारत में मजदूर दिवस की
शुरुआत चेन्नई में 1 मई 1923 में
हुई। भारत में लेबर किसान पार्टी
ऑफ हिन्दुस्तान ने 1 मई 1923 को
मद्रास में इसकी शुरुआत की थी। यह
दिवस मजदूरों की मजदूरी का वंदनीय
दिवस है। वैसे मजदूर शब्द की
व्याख्या की जाए तो पता चलता है कि
यह दुनिया दो वर्गों में बटी हुई है। एक
तरफ वह वर्ग है जो उत्पादन के सारे
कारक जैसे ज़मीन, उपकरण व पूँजी
के बल पर दुनिया रूपी बैल को
हांकने का प्रयास करता है। इसे ही
पूंजीवाद कहते हैं। दूसरी ओर वह वर्ग
है, जिसके पास कुछ नहीं है, मजबूर
है। वह मजबूत नहीं है। मजबूरी में
अपना श्रम बेचता है। कार्ल मार्क्स ने
इसे मज़दूर की संज्ञा दी है। पूँजीपति
जबजब मात्रा से अधिक अपना पेट
भरने का प्रयास करता है तबतब वह
मजदूर के पेट पर लात मारकर उसका
मेहनताना उससे छीनता रहता है। यही
से आरंभ होता है मजदूर विद्रोह। एक
मई मात्र एक दिवस नहीं है। यह
मजदूरों के द्वारा मजदूरी के लिए
निरंतर संघर्ष के लिए प्रेरित करने
वाला प्रेरक दिवस है।

मई दिवस के बहाने हमें मजदूरों
को समझने का प्रयास करना चाहिए।
मजदूर सदैव त्रिशंकु अवस्था में जीते
हैं। दूसरों के सपनों को पूरा करने के
चक्कर में अपने सपनों से दूर होते रहते
हैं। ऐसी स्थिति में वे न इधर के होते
हैं और न उधर के। ऐसे त्रिशंकु जीव
कहीं गटर में उतरकर तो कहीं रात में
सोती दुनिया की सेवा के लिए सड़क
पर जागकर झाड़ू लगाते नजर आते हैं।
कहीं दिहाड़ी मजदूर के रूप में तो कहीं
फेरी वाले के रूप में संघर्ष करते रहते
हैं। देश का शायद ही ऐसा कोई हिस्सा
हो जहां मजदूरों का खुलेआम शोषण
न होता हो। आज भी स्वतंत्र भारत में
बंधुआ मजदूरों की बहुत बड़ी तादाद
है। बंधुआ मजदूर स्वतंत्र देश में
गुलाम बनकर जीवन जीने की
पराकाष्ठा का सबसे घृणित चेहरे हैं।
सबसे बदतर स्थिति तो बाल एवं
महिला श्रमिकों की है। बच्चों व
महिला श्रमिकों का आर्थिक रूप से तो
शोषण होता ही है, उनका शारीरिक
रूप से भी जमकर शोषण किया जाता
है। आश्चर्य की बात यह है कि इन पर
जोरदार भाषण देने वालों के घर में ही
इनके दर्शन हो जाते हैं। वर्तमान में
बेरोजगारी से हर वर्ग प्रभावित हुआ है।
किंतु सबसे अधिक दयनीय स्थिति में
मजदूर वर्ग है।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा
www.womenexpress.in

शूटर दादी चंद्रो तोमर का कोविड के कारण निधन

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल । शूटर दादी के नाम से मशहूर निशानेबाज चंद्रो तोमर का कोविड19 बीमारी के कारण शुक्रवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थी और 26 अप्रैल से मेरठ के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। चंद्रो तोमर की देवरानी और उनकी तरह दुनिया की सबसे उम्रदराज निशानेबाजों में से एक प्रकाशी तोमर ने अपने ट्विटर पेज पर यह जानकारी दी।

उन्होंने ट्वीट किया, मेरा साथ छूट गया। चंद्रो कहां चली गयी।'' खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, हमारी सबसे प्यारी दादी चंद्रो तोमर जी के दुखद निधन से मुझे गहरा आघात पहुंचा था। वह लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत थी और आगे भी हमेशा बनी रहेंगी। उसकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।'' चंद्रो तोमर को इस सप्ताह के शुरू में सांस लेने में परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परीक्षणों से पता चला कि वह कोविड19 से संक्रमित हैं। इस महामारी के कारण देश में प्रतिदिन 3000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। उत्तर प्रदेश के बागपत गांव

की रहने वाली चंद्रो तोमर ने जब पहली बार निशानेबाजी शुरू की तब उनकी उम्र 60 साल से अधिक थी लेकिन इसके बाद उन्होंने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती।

उनके और प्रकाशी तोमर के जीवन पर फिल्म सांड की आंख' भी बनी है। इस फिल्म में चंदो तोमर के किरदार की भूमिका निभाने वाली भूमि पेडनेकर के अलावा समाज के अन्य वर्गों के लोगों उनके निधन पर शोक व्यक्त किये। भूमि ने ट्विटर पर लिखा, चंद्रो दादी के निधन की खबर से आहत हूं। लग रहा है कि मेरा एक हिस्सा चला गया है। उन्होंने अपने नियम खुद बनाए और कई लड़कियों को उनके सपने को पूरा करने के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

उनकी विरासत उन पर जीवित रहेगी। परिवार के प्रति संवेदना।'' भारत के उड्डयन मंत्री हरदीप ड्क्षसह पुरी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, प्रशंसकों के बीच शूटर दादी के नाम से पहचानी जाने वाली चंदो तोमर नहीं रही।

वह लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाने की प्रतीक है। '' ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार और निशानेबाज जॉयदीप कर्माकर ने भी उनके निधन पर शोक जताया। अखिल ने ट्वीट किया, ये कोरोना ही है या कुछ और,, अब तो संदेह ही होने लगा है.. भगवान अब तो कुछ कृपा करो..एक और दुखद खबर.. कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ड्क्षजदादिल दादी शूटर दादी' चंद्रो तोमर का कोरोना से निधन हो गया है... अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दादी को..'' कर्माकर ने कहा, अपूरणीय क्षति, हमारी प्यारी शूटर दादी' नहीं रहीं। कई लोगों के लिए साहस और दृढ़ संकल्प की प्रतीक ने कोरोना से लड़ाई में आखिरी सांस ली।

सोशल मीडिया की वजह से कई प्रतिभा सामने आई हैः सुनील ग्रोवर

मुंबई, 30 अप्रैल । सुनील ग्रोवर सालों से टेलीविजन पर लोगों को हंसाते रहे हैं। उन्होंने वेब सीरीज तांडव, या अक्षय कुमार स्टारर फिल्म गब्बर इज बैक जैसी विषम गंभीर फिल्मों में भी अपनी भूमिका से लोगों को प्रभावित किया है। हाल के वर्षों में नए युग की प्रतिभाओं के लिए सोशल मीडिया का आगमन एक वरदान रहा है और सुनील को भी इस मंच से लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, आपको इतना देखना होगा कि सोशल मीडिया की वजह से बहुत प्रतिभाएं सामने आई हैं। सभी को खुद को व्यक्त करने के लिए एक मंच मिला है और जो चाहें उन्हें देख सकता हैं सुनील ने कहा कि अगर

सोशल मीडिया और ओटीटी के आगमन की कहानी की बात करें तो यह बदलाव कुछ वर्षों में ही हुआ है। थिएटर से लेकर फिल्मों तक, सोशल मीडिया से लेकर ओटीटी तक दर्शकों ने अब साबित कर दिया है कि वे आसानी से सब कुछ अपना सकते हैं। उन्होंने कहा, परिवर्तन अपरिहार्य है। जब फिल्में आने लगीं, तो लोगों को लगा कि नाटकों के दर्शक प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन थिएटर जारी है। आखिरकार, सोशल मीडिया आ गया और अब हमारे पास ओटीटी है। समय के साथ, लोग विकास के अनुकूल हो जाते हैं उनके लिए, एक कलाकार के रूप में, विभिन्न प्रकार के प्लेटफार्मों का मतलब प्रयोग करने का एक बेहतर मौका है, जो बदले में नई चुनौतियों का सामना करता है। सुनील जल्द ही आगामी कॉमेडी शो हंसी तो फंसे में दिखाई देंगे, जहाँ 10 कॉमेडियन एक दूसरे को हंसाने की कोशिश करते हुए एक घर में बंद हो जाएंगे। उनके लिए ना हंसना चुनौती है और आखिरी तक प्रतियोगी जो बिना हंसे रहेगा , वह शो जीतेगा। शो के बारे में सुनील ने कहा, शो का प्रारूप अलग है और इसमें एक ऐसा मानसिक तंत्र है।

फैन पर बुरी तरह भड़कीं सारा अली खान, मास्क उतारकर ले रहा था सेल्फी

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 30 अप्रैल (वेबवार्ता)। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम अली खान और मां अमृता सिंह के साथ मुंबई ऐयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। सारा अपनी फैमिली के साथ मालदीव से लौटी थीं। जैसे ही सारा ऐयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं पापराजी ने उन्हें घेर लिया और उनकी फोटो क्लिक करने लगे। वहीं एक फैन ने सारा को देखते ही मास्क नीचे करते हुए सेल्फी लेने की मांग की। लेकिन ऐक्ट्रेस को फैन की यह बात अच्छी नहीं लगी और उन्होंने उसे रोकते हुए कहा, क्या कर रहे हो आप इस महामारी में सामाजिक दूरी ही सबसे जरुरी है और आप ऐसे कैसे कर सकते हैं। सारा अली खान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसपर फैन्स काफी ज्यादा रिएक्शन भी दे रहे हैं। दरअसल, इस

वीडियो में एक लड़का दिख रहा है जिसकी उम्र देखकर आप ये अंदाजा लगा सकते हैं कि वह स्कूल बॉय है, वह जैसे ही सारा को देखता है वह अपना मास्क नीचे करके सारा के साथ के साथ सेल्फी क्लिक करने लगता है। तभी सारा उस फैन को रोकते हुए कहती है आप क्या कर रहे हो? आप ऐसा नहीं कर सकते और आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। फिर सारा ने पापराजी को महामारी से सावधान रहने के लिए कहा और थैंक्यू बोलते हुए कार में बैठकर चली गईं। सारा कार में बैठते ही अपने हाथ को सैनेटाइज करने लगी। वहीं भाई इब्राहिम अपना जूता ठीक करते दिखें। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान (ैतं ।सप ज़ींद) को आखिरी बार डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म कुली नंबर 1 में वरुण धवन के साथ देखा गया था। और उनकी आने वाली फिल्म अतरंगी रे है जिसमें वह धनुष और अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 6 अगस्त को सभी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अर्जुन कपूर ने 30 हजार लोगों की मदद की

मुंबई, 30 अप्रैल । बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने कोरोना महामारी संकट के समय 30 हजार लोगों की मदद की है। देश भर में कोरोना वायरस की दूसरी लहर का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इस कठिन समय में बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के कलाकार लोगों की मदद के लिये आगे आ रहे हैं। अर्जुन कपूर अपनी बहन अंशुला कपूर के साथ मिलकर ऑनलाइन सिलेब्रिटी फंडरेजिंग प्लेटफॉर्म 'फैनकाइंड' के जरिए कोरोना महामारी के दौर में लोगों की मदद कर रहे हैं। दोनों ने एक करोड़ रुपये इकट्ठा करके 30 हजार लोगों और उनके परिवार की मदद की है। अर्जुन कपूर ने कहा, महामारी ने हमें दुखों की खाई में धकेल दिया है। इस स्थिति ने हम सभी को आगे बढ़ने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया है। अंशुला और मैंने फैनकाइंड के जरिए लोगों की मदद करने की कोशिश की है।

तेंदुलकर ने मिशन ऑक्सीजन के लिए 1 करोड़ दान किए

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कोविड19 रोगियों के लिए भारत में अस्पतालों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने में मदद करने के उद्देश्य से चिकित्सा धन जुटाने वाली वेबसाइट केटो पर एक करोड़ रुपये का योगदान दिया है। तेंदुलकर ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी एक बयान में कहा, कोविड की दूसरी लहर ने हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को भारी दबाव में डाल दिया है।

बड़ी संख्या में गंभीर कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध कराना समय की जरूरत है। सचिन ने आगे कहा, यह देखकर खुशी हो रही है कि लोग इस अवसर पर कैसे बढ़ रहे हैं। 250 से अधिक युवा उद्यमियों के एक समूह ने देश भर में अस्पतालों में ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर आयात करने और उन्हें दान करने के लिए धन जुटाने के लिए मिशन ऑक्सीजन लॉन्च किया है। मैंने योगदान करने में मदद की है। और उम्मीद करते हैं कि उनका प्रयास जल्द ही पूरे भारत के कई और अस्पतालों तक पहुंच जाएगा।

आज, हमें उन सभी के पीछे एक साथ खड़ा होना होगा जो इस महामारी से लड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वेबसाइट पर पहल के पेज पर दानदाताओं की सूची में तेंदुलकर का नाम सबसे ऊपर दिखाई देता है। यह बताता है कि इसने शुक्रवार तक 35 करोड़ रुपये के लक्ष्य के साथ 17 करोड़ रुपये से अधिक जुटा लिए हैं। इसने गुरुवार को कहा कि उसने पहले ही 3,900 कंसंट्रेटर्स के लिए ऑर्डर कर दिया है।

मेरा जी करता है चाँद

तेरे सपने में खो जाऊ
मेरा जी करता है चाँद
निरझु तुझे नित दीदार तेरा
मै पाऊँ
मेरा जी करता है चाँद
पकडूँ हाथ तेरा कदे ना छुड़ाऊँ
मेरा जी करता है चाँद
हक़ से तेरी चाँदनी पाऊँ।
मेरा जी करता है चाँद
सखि तुझे पा क़िस्मत पर
इतराऊँ।।
मेरा जी करता है चाँद
संग तेरे बादलों में छिप
जाऊ।।

मेरा जी करता है चाँद
मै तेरी बातों में खो जाऊँ।
मेरा जी करता है चाँद
तुझको देखूँ और शरमाऊ
मेरा जी करता है चाँद
तुझको निहारू,तेरी हों जाऊँ
मेरा जी करता है चाँद

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

मैं ढूंढता रहता हूं

मैं ढूंढता रहता हूं
उसमें एक कविता
और कविता में उसे,
कभी उसमें
दिखती हंसतीखेलती
कविता, तो कभी
पढ़ते पढ़ते, कागज पर
कविता मुस्कुराने लगती
उसकी तरह ।
कभी उससे
बात करते करते
उसके शब्दो में
सुनाई देने लगती
कविता ,तो कभी
किताब खोलते ही
कविता कहना शुरू
कर देती बातें उसकी ।
उसमें कविता है या
कविता में वो
इस प्रश्न में, ऐसे उलझा मैं ,
ना कभी पढ़ पाया उसे
ना लिख पाया
कभी कोई कविता ।

व्यास योगेश
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

भूल गया

भूल गया मैं बचपन की
बातों को,
भूल गया दिल तारे गिनती
रातों को,
अब कौन सुनाये कहानी
मुझे और..
दादा दादी के वो जज्बातों को।

भूल गया मैं बचपन के
वादो को,
भूल गया दिल सारी मीठी
यादों को,
अब कौन बताये हेरफेर
मुझे और..
डगमग दुनियाँ के इरादों को।

भूल गया मैं हँसती
मुलाकातों को,
भूल गया दिल खेलती
बरसातों को,
अब कौन हँसाये नित मुझे और..
कौन दिखाये हँसती कारामातों को।

आनंद दाधीच
बेंगलोर ।

असहाय, रात में पानी ही पीया

असहाय, रात में पानी ही पीया।
कच्चे धागे से सपनों को सिया।

बात थी मैंने आसुओं को पिया।

घाव दूसरों के,दर्द मैंने जिया।
नागवार गुजरी , अपराध किया।
ईश्वर ने लिखा मैंने वैसा किया।

नही तो,तेरा लिखा गलत होता।
अमल कर क्या गलत किया।

हर कदम पर कांटे बिछाये ।
समझे , मैंने क्यों वैराग्य लिया।

आदी है सामाजिक कुरीतियों के।
आडम्बर क्यूँ अंगीकार किया।
बेवजह क्यों झांकते है लोग।

घर को देवालय बना लिया।
मजलूमो को न रुलाया करो
फकीरों ने उन्हें खुदा बना लिया।

हाड़ मांस के बन्दे हैं सब.
खुदा ने अब घर बना लिया ।

दिन में भी अँधेरा रहा वहां,
घरों में चिराग जला लिया।

संजीव ठाकुर
रायपुर ।
www.womenexpress.in

इक उम्मीद के सहारे

ख्वाहिशें पाँव पसारने लगी हैं
उड़ान भरने लगे सपने
मालूम नहीं तुझे कुछ भी
मशगूल मेरे कितने अपने
गर्दिश में,मैंने कैसे दिन गुजारे
इक उम्मीद के सहारे

तय कर रहा डगर अपना
फितरत में नहीं मचलना
बढ़ रहा मुसलसल
दिल में सजोए तमन्ना
दीख रही सुदूर, आशा की किरणें
कितने मोहक, कितने प्यारे
गर्दिश में,मैंने कैसे दिन गुजारे
इक उम्मीद के सहारे

चमकेगी किस्मत कभी अपनी
देखा मैंने भी ख्वाब
दूर नहीं अब दिन वो
कहेगी दुनिया, था शख्स लाजबाव
फलक में तैर रहे जखीरों से
कभी मेरा भी नाम पुकारे
गर्दिश में, मैंने कैसे दिन गुजारे
इक उम्मीद के सहारे
सरक रहा दिन इक
बीते कितने पल
होगा स्वागत अपना भी
आज नहीं तो कल
होंगे उस दिन अपने
कुछ अजीब नजारे
गर्दिश में, मैंने कैसे दिन गुजारे
इक उम्मीद के सहारे

ख्वाहिशें पांव पसारने लगी हैं
उड़ान भरने लगे सपने
मालूम नहीं तुझे कुछ भी
मशगूल मेरे कितने अपने
गर्दिश में,मैंने कैसे दिन गुजारे
इक उम्मीद के सहारे

राजेंद्र कुमार सिंह
मेट्रो जोन, नाशिक ।
www.womenexpress.in

रोहित सरदाना याद बहुत आएगा

यह कैसी महामारी है आई
चारों तरफ तबाही है लाई
अच्छे अच्छे लोग भी चले गए
दे न सके जिनको अंतिम विदाई
आखिर एक दिन सबको ही है जाना
विदा हो गया अब रोहित सरदाना
लोगों के दुख को अपना
समझता था
नाम था एक जाना पहचाना
न जाने मन में क्या क्या सपने थे
दो छोटी छोटी बेटियां हैं घर में
दहशत में है मेरे वतन के लोग
क्या होगा जी रहे इसी डर में
कैसे झेल पाएंगी वो दुख को
सबकी आंखें आज नम है
क्यों चला गया रोहित इतनी जल्दी
सबको इस बात का गम है
तुझे और तेरे सहयोग को यह देश
नहीं कभी भूल पायेगा
चला तो गया तू सरदाना
पर तेरा दंगल बहुत याद आएगा

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरी माँ...

मेरी पहली आहट है
मेरी माँ।
मेरी आँखो की रोशनी है
मेरी माँ।
मेरी बचपन की पहली सखी है
मेरी माँ।
मेरी नाम की पिछे की वजह है
मेरी माँ।
मेरी हँसने की वजूद है ...
मेरी हँसी के पिछे की दर्द को
महसूस करने की पहचान है ...
मेरी माँ।
मेरी खट्टी मीठी यादें की भंडार है
मेरी माँ।
लोगों की बुरी नजरों से बचाए
रखने की छाया है
मेरी माँ।
हर दर्द की दवा है
मेरी माँ
और मेरी जीने की वजह है
मेरी माँ।

सोनाली वर्मा
आसनसोल, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

कोरोना आया...

कोरोना आया....
कहां से आया ?
बोलो...
कौन लाया ?
साथ में संक्रमण लाया
शताब्दी बाद फिर महामारी आया
क्यों होता है शताब्दी बाद
इंसानी सभ्यता पर हमला
इंसान क्यों है बेबस ?
प्लेग हैजा स्पेनिश फ्लू कोरोना
करोड़ों का जद से मृत्यु का सफर
यह महामारी नहीं तबाही है।
यह इत्तेफाक है या नहीं
यह किसी भगवान का श्राप
या फिर प्रकृति का
क्या चाहता है ?
मनुष्य का पाप धोना
या फिर मनुष्य सभ्यता मिटाना
आखिर चाहता क्या है
कोरोना ?

वरुण सिंह गौतम
रतनपुर, बेगूसराय, बिहार ।

विश्व श्रमिक दिवस-श्रम का मूल्य समझने का दिवस

श्रमसीकर नित पूज्य हों,पायें
नित सम्मान।
श्रम से ही धनधान्य है,श्रम से
ही उत्थान।।

श्रमिकों द्वारा की गई कड़ी मेहनत का सम्मान करने के साथसाथ श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ने वालों को सम्मान देने के लिए श्रम दिवस को मनाया जाता है। इस दिन को भारत सहित विश्व के कई देशों में हर साल 1 मई के दिन मनाया जाता है।

बहुत संघर्ष के बाद श्रमिकों को उनके अधिकार दिए गए थे। जिन्होंने इस दिवस के लिए कड़ी मेहनत की उन्होंने इसके महत्व को और अधिक बढ़ा दिया। इस दिन का उनके लिए विशेष महत्व था। इस प्रकार अधिकांश देशों में श्रम दिवस समारोह ने शुरू में अपने संघ के उन नेताओं को सम्मान देने का काम किया जिन्होंने इस विशेष दिन का दर्जा हासिल किया और दूसरों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रमुख नेताओं और श्रमिकों द्वारा एक साथ प्रसन्नता के साथ समय बिताने पर भाषण दिए जाते हैं।

ट्रेड यूनियन मजदूरों की टीम के लिए विशेष लंच और रात्रिभोज या संगठित पिकनिक और आउटिंग आयोजित करते हैं। कार्यकर्ताओं के अधिकारों का जश्न मनाने के लिए अभियान और परेड आयोजित की जाती हैं। पटाखे भी जलाए जाते हैं।जहाँ कई संगठन और समूहों द्वारा इस दिन पर लंच और पिकनिक और ट्रेड यूनियनों द्वारा अभियान तथा परेड आयोजित किए जाते हैं वहीं कई लोग इस दिन को बस आराम करने और फिर से जीवंत करने के अवसर के रूप में देखते हैं। वे अपने लंबित घरेलू कार्यों को पूरा करने में समय व्यतीत करते हैं या अपने दोस्तों और परिवार के साथ बाहर जाते हैं। कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में जहां श्रम दिवस को सितंबर के पहले सोमवार को मनाया जाता है वहां लोग लंबे सप्ताहांत का आनंद लेते हैं। वे आमतौर पर परिवार के साथ बाहर जाने या दोस्तों के साथ बाहर जाने की योजना बनाते हैं। यह उन्हें थकाने वाले दैनिक जीवन से बहुत आवश्यक राहत प्रदान करता है। लोग इसे छुट्टी के समय के रूप में भी देखते हैं। श्रमिकों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए भी भाषण दिए जाते हैं।

कनाडा जैसे देशों में आज के दिन आनन्दित होने के लिए लेबर डे क्लासिक मैचों का आयोजन किया जाता है। बहुत से लोग इन मैचों को लाइव देखने के लिए जाते हैं जबकि अन्य अपने घर में बैठकर लाइव प्रसारण देखना पसंद करते हैं।संयुक्त राज्य में इस समय के दौरान खुदरा विक्रेताओं की बिक्री बढ़ जाती है। उत्पादों की बिक्री इस समय के आसपास फ़ायदे का सौदा बनती है। ऐसा कहा जाता है कि लोग इस समय के दौरान बहुत कुछ खरीदते हैं। इस समय की बिक्री केवल क्रिसमस के समय के दौरान बिक्री के बराबर होती है। लोग इस समय विशेषकर बैकटू स्कूल शॉपिंग में व्यस्त होते हैं। दुनिया भर के कई देश श्रम दिवस का जश्न मनाते हैं। इनमें से कुछ में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बहामास, कनाडा, जमैका, कजाखस्तान, न्यूजीलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो, अल्जीरिया, मिस्र, इथियोपिया, केन्या, घाना, लीबिया, सोमालिया, नाइजीरिया, टुनिशिया, युगांडा और मोरक्को शामिल हैं। इन देशों में उत्सव की तारीख भिन्नभिन्न होती है।

प्रो शरद नारायण खरे
मंडला (मप्र)।
www.womenexpress.in

रोहित सरदाना

वो चला गया कुछ इस तरह से,
खिलता फूल उजाड़े पतझड़
जिस तरह से
रोहित सरदाना को कौन नहीं
जानता ।

हरियाणा राज्य के कुरूक्षेत्र शहर में जन्में, मिडिया के फलक पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले दबंग, जांबाज शख्स के अचानक निधन पर सारा देश शोकग्रस्त है। ना जाने क्या सूझा इश्वर को जो महकते हुए चमन में से सुन्दर खिले और महकते हुए फूल को इस तरह बेदर्दी से तोड़ा, पीछे जो रह गई मासूम छोटीछोटी दो कलियां उनका क्या होगा उस फूल के बिना एक पल भी नहीं सोचा।

42 वर्षीय रोहित सरदाना को एक सप्ताह पहले बुखार एवं अन्य लक्षण के कारण टेस्ट कराया तो कोरोना पासिटिव पाया, नोएडा के मैट्रो अस्पताल में भर्ती किया गया।

उन्होंने लोकप्रिय ताल ठोक के एक बहस कार्यक्रम की मेज़बानी की जो ज़ी न्यूज़ पर भारत में समकालीन मुद्दों पर चर्चा करता है। काफी लम्बे समय तक उन्होंने ज़ी न्यूज़ में काम किया । 2017 में उन्होंने आज तक में शामिल होने के लिए ज़ी न्यूज़ छोड़ दिया ।

तब से वह डिबेट शो दंगल को होस्ट कर रहे थे। 2018 में उन्हें गणेश विद्यार्थी पुरस्कार मिला एवं पत्रकारिता जगत में कई अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।वह किसी भी मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय पेश करते थे। रोहित सरदाना टी वी समाचार पत्रकारिता का सबसे लोकप्रिय चेहरा था, इश्वर को भी यही चेहरा अधिक भाया ।

सबके दिलों में बसने वाले रोहित सरदाना के लिए हर तरफ शोक

की लहर है। पत्रकारिता जगत के साथ साथ हरियाणा की भी बहुत बड़ी क्षति है। इश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और बिलखते परिवार को आघात सहने की हिम्मत

ओम शांति

प्रेम बजाज, जगाधरी
(यमुनानगर) हरियाणा ।
www.womenexpress.in

एक नजर

यूपी के सीएम योगी ने किया कोरोना को परास्त

लखनऊ, 30 अप्रैल (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना संक्रमण से मुक्त हो गये हैं। उन्होने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। योगी ने ट्वीट किया आप सभी की शुभेच्छा और चिकित्सकों की देखरेख से अब मैं कोरोना निगेटिव हो गया हूँ। आप सभी के द्वारा मुझे दिए गए सहयोग व शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। गौरतलब है कि योगी पिछली 14 अप्रैल को कोरोना संक्रमित पाये गये थे जबकि आज उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गयी है। संक्रमित होने के बावजूद वह अपने सरकारी आवास से वर्चुअल तरीके से अधिकारियों को कोरोना की रोकथाम के लिये दिशा निर्देश देने में लगे थे और पल पल की जानकारी हासिल कर रहे थे।

18+ वालों को आज लगेगा वैक्सीन

पहले चरण में 9000 से अधिक केस वाले जिलों को शामिल किया गया है

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। पूरे देश में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तर प्रदेश में भी रोजाना बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। ऐसे में 1 मई से पूरे देश में वैक्सीनेशन का नया चरण शुरू होने जा रहा है। जिसके तहत 18 साल से ऊपर के लोगों को वैक्सीन लगेगी. इसी बीच योगी सरकार ने यह ऐलान किया है कि फिलहाल प्रदेश के केवल 7 बड़े जिलों में वैक्सीन लगायी जाएगी।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि कल से 18 से 44 वर्ष के लोगों का वैक्सीनेशन का कार्य शुरू होना है, क्योंकि कल पहला दिन होगा इसलिए अभी 7 जनपदों में ही इसे शुरू किया जाएगा. उन्होंने बताया कि पहले चरण में 9000 से अधिक केस वाले जिलों को शामिल किया गया है।

फ्री लगेगी कोरोना वैक्सीन

गौरतलब है कि 20 अप्रैल को योगी सरकार ने यह ऐलान किया था कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में 1 मई से 18 वर्ष के ऊपर के लोगों को फ्री में वैक्सीन लगाई जाएगी. हालांकि, सरकार ने अपील की है कि जो लोग सक्षम हैं और टीके की कीमत चुका सकते हैं, वह निजी अस्पतालों में जाकर टीका लगवा लें।

ये हैं वो 7 जिले

1. लखनऊ
2. वाराणसी
3. कानपुर
4. प्रयागराज
5. गोरखपुर
6. बरेली
7. मेरठ

3 श्रेणियों में होगा वैक्सीनेशन

पहली मई को टीकाकरण 3 श्रेणियों में होगा। सबसे पहले जिन लोगों को दूसरी डोज लगनी है उन्हें वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके बाद 45 वर्ष के ऊपर के लोगों को और फिर 18 वर्ष से ऊपरे के उम्र के लोगों को वैक्सीन दी जाएगी।

हिमाचल प्रदेश में विभागीय परीक्षा आगामी आदेश तक स्थगित

शिमला 30 अप्रैल । हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा बोर्ड ने कोविड19 महमारी के बढ़ते प्रकोप के कारण 17 मई, 2021 से आयोजित की जाने वाली विभागीय परीक्षा आगामी आदेश तक स्थगित कर दी है।

विभागीय परीक्षा बोर्ड के एक प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी दी कि विभागीय परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को भी बढ़ा दिया गया है जिसे पहले 30 अप्रैल, 2021 निर्धारित किया गया था। इच्छुक परीक्षार्थी अब 31 मई, 2021 तक आनलाइन माध्यम से मानव सम्पदा पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिए गए आवेदनों को 7 जून, 2021 तक आनलाइन प्रक्रिया के अंतर्गत अनुमोदित कर पाएंगे।

प्रदेश में 1367 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद से 359 किसान लाभान्वित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

शिमला/नई दिल्ली 30 अप्रैल । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजिन्द्र गर्ग ने आज यहां बताया कि प्रदेश सरकार ने राज्य के किसानों की सुविधा और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की सुविधा उपलब्ध करवाई है। राज्य में गेहूं खरीद के लिए पांच खरीद केन्द्र सिरमौर जिला के पांवटा साहिब व काला अम्ब, ऊना जिले के हरोली व टकराला और जिला कांगड़ा के फतेहपुर में स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए उनकी सुविधा के लिए इन्दौरा और नालागढ़ में भी गेहूं खरीद केंद्र खोले जा रहे हैं जिन्हें 2 मई, 2021 से क्रियाशील बना दिया जाएगा। इसी प्रकार, बिलासपुर के घुमारवीं में भी गेहूं खरीद केन्द्र स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष अब तक प्रदेश में 359 किसानों से 1367 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है जबकि पिछले वर्ष 3128 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से 2.70 करोड़ रुपये के गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

कोविड केयर सेंटरो को बहुउद्देश्यीय बनाया जाएः शिवराज सिंह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

भोपाल, 30 अप्रैल । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा है कि कोविड केयर सेंटरों को बहुउद्देश्यीय बनाया जाए, जिससे कम संक्रमित कोरोना रोगियों को उपचार की बेहतर सुविधा मिलें। मुख्यमंत्री चैहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कल लोगों से अपील की है कि शादी विवाह के कार्यक्रम संक्रमण नियंत्रित होने तक स्थगित कर दें। मानवता का दुश्मन कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सारे भेदभाव भूल कर सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।

चैहान ने कहा कि प्रदेश में सबके प्रयासों से संक्रमण वृद्धि दर में कमी आई है। यह 25 प्रतिशत से घट कर 21.5 प्रतिशत हो गई है। स्वस्थ होने की दर भी 80.41 प्रतिशत से बढ़ कर 82.28 प्रतिशत हो गई है। संक्रमण नियंत्रण के प्रयासों को कड़ाई के साथ लागू किया जाए और किसी तरह की ढ़िलाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि समुदायिक स्वास्थ केन्द्रों की व्यवस्थाओं को भी मजबूत बनाया जाए, ताकि ग्रामीण अंचल के रोगियों को शीघ्र और बेहतर उपचार की व्यवस्थाएँ मिल सके। उन्होंने संक्रमण को प्रारम्भिक अवस्था में पहचान के लिए सर्वेक्षण कार्य को प्रभावी ढंग से चलाने की जरूरत बताई।

उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। चिकित्सकों के परामर्श पर ही इंजेक्शन लगाया जाए। वितरण कार्य को पारदर्शी बनाया जाए, जिसको इंजेक्शन दे उसकी फोटो भी खींचें। उन्होंने ग्वालियर जिले में ऑक्सीजन आपूर्ति के अतिरिक्त विकल्प तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता कर्फ्यू जिन क्षेत्रों में स्वतः स्फूर्त आन्दोलन बना है, वहाँ पर नियंत्रण बेहतर हुआ है। उन्होंने होम आईसोलेशन की व्यवस्थाओं की प्रभावी समीक्षा की जरूरत बताई। कोरोना मुक्त गाँवों को चिन्हित कर बाहर से आने वालों के प्रवेश पर रोक लगाने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की।

उन्होंने इसी तरह की व्यवस्थाएँ माईक्रो कंटेनमेंट जोन बना कर, शहरी क्षेत्र में करने को कहा है। उन्होंने कहा कि संक्रमण का प्रसार बहुत तेजी से होता है। इसलिए जिन क्षेत्रों में नियंत्रण में सफलता मिली है।

कोरोना मरीजों को चिढ़ा रहे कोविड अस्पताल के शोपीस बने वेंटिलेटर

चित्रकूट, 30 अप्रैल । पूरा देश कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से आहत है। जीवन की एकएक सांस के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं यूपी के चित्रकूट जिले की बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं लोगों की असमय मौत का कारण बनती जा रही है। चित्रकूट जिले के खोह में बने कोविड अस्पताल में कहने को तो चार वेंटिलेटर लगे हुए हैं। लेकिन स्टॉफ की कमी के चलते सभी शो पीस बनकर रह गये हैं। संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद स्थिति गंभीर होने पर जिले के कोरोना संक्रमित मरीजों को बाँदा मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया जाता है। विभागीय लापरवाही के चलते समुचित उपचार के अभाव में अब तक कई लोगों की असमय जानें जा चुकी है। बुन्देलखण्ड के सबसे पिछड़े जिले में सुमार चित्रकूट की स्वास्थ्य सेवाएं हमेशा ही वेंटिलेटर पर रही हैं। मुख्यालय स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय वर्षो से महज रेफर सेंटर बना हुआ है। प्रदेश की सरकारें बदली,जनप्रतिनिधि बदले, लेकिन चित्रकूट जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। प्रदेश की योगी सरकार गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मुहैया कराने के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ के वेतन एवं बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए प्रत्येक जिले में करोड़ो रूपया पानी की तरह बहा रही है। इसके बावजूद जिले के लोगों को आज भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रयागराज, कानपुर, सतना, जबलपुर और लखनऊ आदि महानगरों में खुले प्राइवेट अस्पतालों का मुंह ताकना पड़ रहा है।नीति आयोग के सर्वे रिपोर्ट में हेल्थ सेक्टर में चित्रकूट जिले का यूपी में टॉप पर होना हैरान कर देने वाला है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को दृष्टिगत रख यूपी सरकार के लोक निर्माण राज्यमंत्री एवं चित्रकूट जिले के सदर विधायक चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने मरीजों की सुविधा के लिए वेंटिलेटर खरीदने के लिए विधायक निधि से 25 लाख रुपये स्वास्थ्य विभाग को दिए थे।

इंडियन आयल की तरफ से एसएसपीजी में लगेगा आक्सीजन प्लांट

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। वाराणसी के कोविड मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। ऑक्सीजन के अभाव में किसी की जान नहीं जाएगी। शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय में लगने वाले आक्सीजन प्लांट को इंडियन आयल फाउंडेशन के सीएफआर ने स्वीकृत कर दिया है। वहीं अब रामनगर शास्त्री अस्पताल में भी ऑक्सीजन प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है।

जिला प्रशासन की पहल पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चैधरी की ओर से पं दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई। पुणे से ऑक्सीजन प्लांट से जुड़ी मशीनरी दीनदयाल अस्पताल पहुंच गई। 24 घंटे के अंदर इंजीनियरों की टीम स्टालेशन में जुटेगी। सप्ताह भर के अंदर ऑक्सीजन प्लांट से ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस प्लांट के शुरू होने से अस्पताल प्रशासन को अब रामनगर औद्योगिक क्षेत्र से ऑक्सीजन मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक करोड़ की लागत से तैयार होने वाले प्लांट से रोजाना 120 से 150 ऑक्सीजन सिलिंडर का उत्पादन होगा। इसके संचालन से शहरवासियों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चैधरी ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से ऑक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया बहुत तेज गति से शुरू हुई। संकट की इस घड़ी में कोशिश है कि ऑक्सीजन के अभाव में किसी की सांसें न उखड़े। सभी उद्यमियों से अपील है कि संकट की इस घड़ी में लाभ और हानि को दरकिनार कर जिंदगियां बचाने में जुटे।

मंडलीय चिकित्सालय में लगने वाले 960 एलएमपी के ऑक्सीजन प्लांट से 200 बेड ऑक्सीजन से युक्त होंगे। वहीं पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में छह सौ एलएमपी आक्सीजन प्लांट की मशीन आ चुकी है। इसको शीघ्र ही इंस्टाल कर दिया जाएगा। इससे 120 बेड आक्सीजन से कवर हो जाएंगे।

चुनाव ड्यूटी के कारण मृत कर्मचारियों के परिजनों की मदद करे सरकारः मायावती

लखनऊ, 30 अप्रैल। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पंचायत ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमित होकर जान गंवाने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों के परिजनों की आर्थिक मदद करने की मांग योगी सरकार से की है। सुश्री मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ÷कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते यदि यू.पी. सरकार पंचायत चुनाव टाल देती, अर्थात् थोड़ा आगे बढ़ा देती तो यह उचित होता और फिर चुनाव ड्यूटी में लगे काफी कर्मचारियों की मृत्यु नहीं होती, जो अतिदुःखद।यूपी सरकार ऐसे सभी मृतक कर्मचारियों के आश्रित परिवार को उचित आर्थिक मदद करने के साथ ही उनके एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी जरूर दे, बी.एस.पी. की यह माँग। ग्रामीण इलाकों में फैलने की आशंका जताते हुये कहा, इसके साथ ही, अब कोरोना प्रकोप के गाँवदेहातों में भी काफी फैलने की सम्भावना है।

कोविड प्रबंधन का श्रेय अकेले ही ले रहे मुख्यमंत्रीः अखिलेश यादव

लखनऊ, 30 अप्रैल। समाजवादी पार्टी ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कोविड प्रबंधन का श्रेय अकेले लेने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि विदेशों में सरकारों ने जन सहयोग से संकट पर काबू पाया है, पर यहां तो अकेले ही सब श्रेय लेने के चक्कर में मुख्यमंत्री तीसमार खां बने हुए हैं और जनता की सांसों से खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि खोखली बयानबाजी के अलावा उनके पास कोई काम बताने को नहीं है। जो भी अस्पताल बने समाजवादी सरकार में बने। एम्स के लिए जमीन सपा सरकार ने दी। भाजपा उन्हें चालू नहीं कर पाई। अवध शिल्प ग्राम, कैंसर अस्पतालों का भाजपा श्रेय ले रही है, जबकि निर्माण सपा सरकार में हुआ। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष का सहयोग लेने की बजाय बदनाम करने पर तुली है। भारत में कोरोना महामारी के दौर में सरकारी अव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार की दुनिया भर में किरकिरी हो रही है। कई देशों ने भारत यात्रा पर रोक लगा दी है। कुछ ने अपने देशवासियों को भारत छोड़ने की एडवायजरी जारी कर दी है। वैश्विक स्तर पर भारत की छवि खराब हो रही है। लेकिन इस सबके बावजूद भाजपा सरकार अपनी ऐंठ एवं अहंकार में डूबी है। यादव ने कहा कि जिस तरह अस्पतालों में बेड को लेकर मारामारी मची है, ऑक्सीजन के लिए लोग दरदर भटक रहे हैं, वो बेहद दुखद है। सीएमओ ऑफिस में लालफीताशाही का जोर है। सरेआम झूठा बोला जा रहा है कि कहीं कोई कमी नहीं है। मृतक आंकड़ों में भी खेल हो रहा है। बस भाजपा राज में इलाज भले न मिले, अंत्येष्टि फ्री है। अखिलेश ने कहा कि मृत स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों तथ पत्रकारों को 5050 लाख रुपये की तत्काल सहायता दी जानी चाहिए।

सीखने के लिए एक जूनून पैदा कीजिये, यदि आप कर लेंगे तो आपका विकास कभी नहीं रुकेगाः जादूगर आँचल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर। हेल्प इंडिया ऑनलाइन संस्थान द्वारा विभिन्न प्रांतों के शिक्षा एवं डीएमआईटी विंग के चेयरमैन व प्रभारियों की वर्चुअल मीटिंग की कार्यशाला का उद्घाटन जादूगर आँचल ने किया। इस दौरान जादूगर आँचल ने कहा कि सीखने के लिए एक जूनून पैदा करन ना होगा, यदि आप कर लेंगे तो आपका विकास कभी नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ज्यादा मूल्यवान इस संसार में कुछ भी नही है, इसलिए हमारा मुख्य उद्देश्य शिक्षा को अर्जित कर, उसे विस्तृत करना होना चाहिए, नवीनतम तकनीक को अपनाया जाना चाहिए। प्रथम दिवस हेल्पिंडिया के राष्ट्रीय महामंत्री एमएफए डॉ पवनकुमार पारीक ने संगठन एवं संगठन के कार्यो को विस्तार से बताते हुए सभी को राष्ट्रीय अभियान में जुड़कर कार्य करने का आह्वान किया। डीएमआईटी विंग के राष्ट्रीय सदस्य विष्णु पारीक ने रोजगार में शिक्षा कैसे एकेडमिक, फेकल्टी व फीस जैसे विषयों पर स्कूल खर्च आधा करके विश्व की शिक्षा से जोड़ दिया है।

सहायक विषय पर चर्चा करते हुवे कहा कि शिक्षा का उद्देश्य एक सामान्य जीवन को विकसित करना है।।डॉ सुदर्शन राव ने रिटजी सी सीयूट एवं रिटजी स्कूल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा ने मैनेजमेंट, शुर्तिधारा आर्य ने नवीन शिक्षानीति व रोबोटिक्स विषय पर प्रकाश डालते हुवे कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह इंटेलिजेंस तरीके से सोचने वाला सॉफ़्टवेयर बनाने का एक तरीका है।

यमुनापार मे मीडिया सेन्टर स्थापित करने को भवन आंवटन की मांग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज। प्रयागराज जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन एवं नैनी रिपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पत्र भेजकर यमुनापार में मीडिया सेंटर हेतु भवन आवंटित कराने की माँग की है। जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के माध्यम से नैनी लेबर कॉलोनी स्थित श्रम हितकारी केंद्र को आवंटित करने का अनुरोध किया है। श्री सिंह ने बताया कि श्रम हितकारी केंद्र नैनी का भवन विगत कई वर्षों से जीर्ण शीर्ण अवस्था में खाली पड़ा है, यदि इस भवन को मीडिया सेंटर के रूप में आवंटित कर दिया जाए तो प्रयागराज जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन व नैनी रिपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन उसे व्यवस्थित कराके मीडिया सेंटर के रूप में विकसित करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर के स्थापित हो जाने से समूचे यमुनापार जनपद के पत्रकारों को सूचनाएं एकत्रित करने की सुविधा के साथ ही जनता को अपनी समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचाने मे आसानी होगी। श्री सिंह ने सभी पत्रकार साथियों से मीडिया सेंटर की स्थापना हेतु अपने स्तर से भी प्रयास करने का आग्रह किया है।

बस्ती मण्डल में तीन दिन रहेगा लॉकडाउन

बस्ती, 30 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में बस्ती मण्डल के बस्ती, सिद्वार्थनगर तथा संतकबीरनगर जिलो मे शाम आठ बजे से तीन दिनो तक लॉकडाउन रहेगा जबकि शेष दिनों में रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक नाइट कर्फ्यू पूर्ववत जारी रहेगा। आवश्यक कार्य के लिए अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर निकलता है तो उसको पूरा विवरण देना होगा बिना मास्क के निकलने पर उसके विरूद्व कार्यवाही किया जायेगा। तीनों दिन बस्ती मण्डल के तीनो जिलो में शहर से लेकर गांव तक सख्ती रहेगी स्वास्थ्य संबंधी इमरजेंसी और रेलवे आनेजाने की ही छूट रहेगी ऐसे लोगों के भी टिकट की जांच करायी जायेगी। शासन की तरफ से लागू इस तीन दिन के लाकडाउन में किसी को जरूरी सेवा को लेकर दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। दूध, दवा की दुकानें और अस्पताल खुलें रहेंगे। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना 2 मई को शुरू किया जायेगा जिसमे मतगणना कार्य मे लगे अधिकारियो और प्रत्याशियो, ऐजन्टो को कोविड19 की जांच करानी होगी तभी मतगणना केन्द्र मे प्रवेश दिया जायेगा।

नाहन मेडिकल कालेज में आउटसोर्स आधार पर तैनात होंगे अतिरिक्त कर्मचारी

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने नाहन में सिरमौर जिले में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा की

(विशेष संवाददाता/वूमेन एक्सप्रेस)

शिमला/नई दिल्ली 30 अप्रैल। मुख्मयंत्री जय राम ठाकुर ने शुक्रवार को जिला सिरमौर के अन्तर्गत नाहन में कोविड19 की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि डॉ. वाई.एस. परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नाहन के प्रधानाचार्य को इस महामारी के नियंत्रण और प्रबंधन के लिए अस्थाई रूप से 50 नर्सों, चार डेटा एंट्री आपरेटरों, 20 चतुर्थ श्रेणी वार्ड ब्यॉज, तीन प्रयोगशाला तकनीशियनों और 10 ऑपरेशन थियेटर सहायकों को प्राधिकृत सेवा प्रदानकर्ता एजेंसियों के माध्यम से 30 जून, 2021 तक आउटसोर्स आधार पर कोविड ड्यूटी पर तैनात करने के लिए अधिकृत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीपीई किट्स, फेस मास्क, सेनिटाजर और आक्सीजन की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करने पड़े।

राजकीय चिकित्सालय, नाहन में बिस्तरों की क्षमता को 110 तक बढ़ाया जाएगा। आयुर्वेदिक अस्पताल के भवन को समर्पित कोविड देखभाल केन्द्र के रूप में समर्पित किया जाएगा जिसमें 25 अतिरिक्त बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि कोविड संक्रमित लोगों को

उपचार की बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार जिले के अन्तर्गत कुछ निजी अस्पतालों का उपयोग करेगी।

उन्होंने जिला प्रशासन को राजकीय महाविद्यालय नाहन और जिला परिषद् भवन के हॉल में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए सम्भावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे बिस्तरों की संख्या में 200 तक की वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों, गैरसरकारी संगठनों और सामाजिक संगठनों से लोगों की सहायता करने और इस वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सरकार की सहायता करने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्बन्धित क्षेत्रों में बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों पर निगरानी रखने को कहा ताकि अन्य राज्यों से आए लोगों की कोविड जांच या उन्हें होम आइसोलेशन में रखना सुनिश्चित किया जा सके।

जय राम ठाकुर ने कहा कि चिकित्सक और अन्य पेरामेडिकल स्टाफ कोविड19 मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करें और सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाएं क्योंकि यह उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायक सिद्ध होगा। सीमावर्ती जिलों के लोग अपने निकट के राज्यों से आने वाले लोगों पर भी कड़ी निगरानी रखें ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण में तेजी लाई जाएगी और चिकित्सकों तथा अन्य पेरामेडिकल स्टाफ की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए की इस महामारी के संबंध में प्रदेश सरकार द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया और दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करें। बहुद्देशीय परियोजनाए और ऊर्जा मंत्री सुखराम चैधरी ने कोविड मामलों की संख्या के आधार पर पंचायतों को उच्च संवेदनशील, संवेदनशील और सामान्य पंचायतों के आधार पर बांटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि लोगों को कोविड से संबंधित स्वच्छता, टीकाकरण और होम आइसोलेशन के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। सिरमौर के उपायुक्त डॉ. आर.के पुरथी ने कहा कि जिले में कोरोना के 114830 परीक्षण किए जा चुके हैं जिनमें से अब तक सात हजार मामले पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 1635 सक्रिय मामले हैं और ठीक होने की दर 75.74 प्रतिशत है। जिले में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रभावी सूचना, शिक्षा और सम्प्रेषण अभियान चलाया गया है।

क्षेत्र के स्थानीय चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को क्वारन्टीन मरीजों के साथ जोड़ा गया है। होम आइसोलेशन के मरीजों को आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से चिकित्सीय प्रबंधन दिशानिर्देशों के अनुसार दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही हैं। अब तक जिला में कोविड की 89 हजार 917 खुराकें दी गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजीव सैजल, सांसद सुरेश कश्यप, विधायक डॉ. राजीव बिन्दल एवं रीना कश्यप, उपाध्यक्ष राज्य नागरिक आपूर्ति निगम बलदेव तोमर, स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारीः

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

दिल्ली के पास अभी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है लाइन न लगाएं दिल्लीवाले

एक नजर

छोटे बैंकों के साथ गवर्नर दास की चर्चा, लेखा-जोखा पर संभावित दबाव को लेकर हुई बातचीत

मुंबई, 30 अप्रैल । आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और छोटे वित्त बैंकों के शीर्ष अधिकारियों ने शुक्रवार को विडियों कांफ्रेंस के जरिए बैठक जिसमें इन बैंकों के लेखेजोखे की स्थिति और उस पर संभावित दबाव और उनकी नकदी की स्थिति पर चर्चा की।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि गवर्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए छोटे वित्त बैंकों (एसएफबी) प्रबंध निदेशकों और सीईओ के साथ बैठक की। इस दौरान डिप्टी गवर्नर एम के जैन, एम डी पात्रा, एम राजेश्वर राव और आरबीआई के कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। दास ने कहा कि कारोबारियों और छोटे व्यवसायों को ऋण और अन्य वित्तीय सेवाएं देने में एसएफबी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कारोबार को बनाए रखने के साथ ही विवेकपूर्ण तरीके से जोखिम प्रबंधन पर जोर दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान बैंकों के बहीखाते और नकदी की स्थिति पर चर्चा की गई।

कोरोना से हुई थी महिला की मौत पुलिस ने किया अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । दिल्ली में लगातार फैल रहे कोरोना संक्रमण के खतरों के बीच दिल्ली पुलिस फ्रंटलाईन वॉरियर के रूप में लोगों की बचाव में लगी है। कोरोना वायरस की दूसरी खतरनाक लहर के बीच पुलिस न केवल अपनी रेगुलर पुलिसिंग की डयूटी निभा रही है, बल्कि लॉकडाउन को सख्ती से लागू करवाते हुए मानवता के आधार पर लोगों की मदद भी कर रही है। ऐसी ही मदद की एक तस्वीर दिल्ली की नजफगढ़ से सामने आई है। जहां पुलिस ने कोविड पॉजिटिव महिला की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार किया। नजफगढ़ पुलिस को जेमिनी पार्क निवासी एक महिला की मौत की सूचना मिली, जिसकी मौत कोरोना संक्रमण की वजह से हुई थी। महिला की मौत के बाद कोई भी मृत की अंत्येष्टि करने के लिए आगे नहीं आ रहा था और ना ही कोई भी शव के नजदीक जाना चाह रहा था। जब किसी ने भी महिला की अंत्येष्टि के लिए साथ नहीं दिया तो नजफगढ़ पुलिस से मदद मांगी गई। पुलिस सूचना मिलने के बाद जेमिनी पार्क, मृतक महिला के घर पहुंची, और शव को कोरोना प्रोटोकॉल के तहत आरटीआरएम हॉस्पिटल के शव गृह में शिफ्ट किया। आरटीआरएम हॉस्पिटल से सारी प्रक्रियाओं को पूरा कर पुलिस ने कोरोना प्रोटोकॉल के तहत मृतक महिला की अंत्येष्टि करवाई। ऐसे वक्त में जब अपने और आसपड़ोस के लोग भी आगे आने से कतरा रहे हैं, ऐसी स्थिति में भी दिल्ली पुलिस संक्रमण के खतरों के बीच आगे आ कर मृतकों की अंत्येष्टि कर रही है।

पनकी ऑक्सीजन प्लांट में रिफिलिंग के दौरन सिलेंडर फटा, मजदूर की मौत

कानपुर, 30 अप्रैल । उत्तर प्रदेश के कानपुर पनकी ऑक्सीजन प्लांट में शुक्रवार को सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर फट गया। इसकी चपेट में आकर एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हैं। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि प्लांट में काम शुरू कराने का प्रयास हो रहा है। फैक्ट्री मालिक की ओर से इसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी गई है। एसीपी गोविंद नगर सर्किल ने बताया कि दादानगर इंडस्ट्रियल एरिया में पनकी ऑक्सीजन प्लांट में सी13 प्लांट से ऑक्सीजन को फुटकर व अस्पतालों को सप्लाई की जाती है। कोरोना महामारी के दौरान यह प्लांट अभी 24 घंटे चल रहा है। शुक्रवार सुबह चार बजे मर्दनपुर निवासी मजदूर मुराद अली सिलिंडर रिफिल कर रहा था, उसी दौरान अचानक एक सिलेंडर फट गया। उसकी चपेट में आकर मुराद की मौत हो गई। रॉयल चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में ऑक्सीजन मैनजमेंट का काम देखने वाले रमईपुर निवासी हरिओम गौतम समेत एक अन्य मजदूर घायल हो गया। आननफानन में दोनों घायलों को रॉयल चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया ।

दिल्ली के पास अभी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लाइन न लगाएं दिल्लीवाले

सरकार को जल्द कोविशिल्ड की 3 लाख डोज मिल जाएगी, वैक्सीन आते ही हम घोषणा करेंगे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कल से शुरू हो रहे 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन अभियान के संबंध में कहा कि अभी हमारे पास वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसलिए दिल्लीवासी कल वैक्सीनेशन केंद्रों पर लाइन न लगाएं। वैक्सीन आते ही हम सभी को जानकारी देंगे। केंद्रों पर भीड़ बढ़ने से सोशल डिस्टेंसिंग खराब होगी और कानून व्यवस्था गड़बड़ा सकती है। उम्मीद है कि हमें कल या परसो तक कोविशिल्ड की 3 लाख डोज मिल जाएगी। हमारी तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, लेकिन इसमें सभी का सहयोग चाहिए। सीएम ने कहा, हमने कोविशिल्ड और कोवैक्सीन निर्माता कंपनी से तीन महीने में 67 67 लाख डोज आपूर्ति करने के लिए सेड्यूल मांगा है। दिल्ली निवासियों को फ्री में वैक्सीन दी जाएगी। यदि कंपनियां समय से पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराती हैं, तो हम तीन महीने के अंदर सभी को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि वैक्सीन सुरक्षा कवच का काम करती है। इसलिए सभी से अपील है कि वैक्सीन अवश्य लगवाएं। यह बिल्कुल सुरक्षित है और कोई खतरा नहीं है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में वैक्सीनेशन के संबंध महत्वपूर्ण जानकारी दिल्ली के

निवासियों से साझा की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक मई (कल) से 18 से 44 साल की उम्र के लोगों का भी वैक्सीनेशन शुरू होना है। देश भर में वैक्सीनेशन के लिए बहुत सारे लोगों ही रहा है। वहीं अब कल से 18 से 44 साल के उम्र के लोगों का भी वैक्सीनेशन शुरू होना है। अभी 45 साल से ऊपर की उम्र के लोगों का तो वैक्सीनेशन चल रहा है। हमने पंजीकरण करके बहुत अच्छा रिस्पांस दिया है। अभी तक हमारे पास वैक्सीन नहीं पहुंची है। वैक्सीन के लिए हम लगातार कंपनी के संपर्क में हैं। हमें उम्मीद है कि कल या परसों तक वैक्सीन आ जाएगी, ऐसा कंपनियों ने भरोसा दिलाया है। पहले कोविशिल्ड वैक्सीन की करीब 3 लाख डोज कल या परसो तक आ रही है। उसके बाद और वैक्सीन आती रहेगी।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के निवासियों से अपील करते हुए कहा कि अभी कल आप वैक्सीनेशन सेंटर्स पर लाइनों में न लगें। कहीं इसकी वजह से कानून व्यवस्था न गड़बड़ा जाए। कहीं ऐसा न हो कि सोशल डिस्टेंसिंग खराब हो जाए, भीड़ लग जाए। अभी यह सब मत करिएगा।

एकदो दिन में जैसे ही वैक्सीन आ जाती है, हम मीडिया के जरिए घोषणा करेंगे और आपको बता देंगे, जिससे कि आपको पता चल जाएगा। उसके बाद जिसजिस का रजिस्ट्रेशन होता जाएगा और जिसजिस को वैक्सीनेशन के लिए बुलाया जाएगा, वो लोग आइएगा। अभी जल्दबाजी मत कीजिएगा। हम सबको वैक्सीन लगाएंगे। इसके लिए पूरी तैयारी की हुई है, लेकिन आपका सहयोग चाहिए। यह न हो कि कल से आप लाइनों में लगे। अभी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। उम्मीद है कि कल या परसो तक वैक्सीन आ जाएगी। हम लोग कंपनी के लगातार संपर्क में हैं और जल्द ही आ जाएगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अपने पास दो वैक्सीन की दो कंपनियां है। एक कोविशिल्ड और दूसरी कोवैक्सीन है। हमने इन दोनों कंपनियों को 6767 लाख डोज देने के लिए उनसे निवेदन किया है। हमने उनसे कहा है कि यह 6767 लाख वैक्सीन की डोज अगले तीन महीनों के अंदर दोनों कंपनियां हमें उपलब्ध कराएं। उसके लिए जो भी राशि का भुगतान करना होगा, वह दिल्ली सरकार करने के लिए तैयार है। दिल्ली के लोगों को फ्री में वैक्सीन दी जाएगी।

कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रहे धर्मस्थल, ग्रीन पार्क मस्जिद में बनाया गया 10 बेड का कोविड केयर सेंटर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। मजहब के नाम दिल्ली में दंगे भले हुए हों, लेकिन आज मंदिर और मस्जिद कोरोना महामारी से उपजी स्थिति के बीच मानवता के लिए आगे आने लगे हैं। राजधानी के ग्रीन पार्क स्थित मस्जिद ने मस्जिद परिसर के अंदर 10 बिस्तर का कोविड आइसोलेशन सेंटर बनाया है और यहां जल्द ही ऑक्सीजन और अन्य व्यवस्था शुरू होने वाली है। वहीं राजधानी के इस्कॉन मंदिर के ट्रस्ट के लोग न केवल राजधानी में कोरोना पीड़ित परिवारों को भोजन करा रहे हैं, बल्कि जल्द ही डीयू के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में 180 बेड का कोविड केयर सेंटर भी स्थापित करने जा रहे हैं। ग्रीन पार्क मस्जिद की कमेटी के सदस्य इरफान वानी ने बताया कि यह आइसोलेशन सेंटर उनके लिए है, जो कोविड पॉजिटिव हैं और मॉडरेट स्थिति में हैं। ऐसे परिवार जिनमें कई लोग हैं वो न संक्रमित हो जाएं इसलिए वो यहां आकर रह सकते हैं।

दवा, जरूरी मेडिकल सामान भी यहां हैं, लेकिन अभी ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं आ पाया है। मस्जिद में एम्स के कुछ डॉक्टर नमाज पढ़ने आते हैं वह अपने राउंड में इनकी स्थिति देख लेंगे। वहीं डीयू के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में 180 बेड का कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी इस्कॉन मंदिर कर रहा है। इस्कॉन के नेशनल कम्युनिकेशन निदेशक बृजेंद्र नंदन दास ने बताया कि वर्तमान में इस्कॉन द्वारकादिल्ली सरकार की मदद से डीडीयू कॉलेज के छात्रावास में एक कोविड केयर सेंटर भी स्थापित कर रहा है। यह केंद्र कोविड 19 से प्रभावित लोगों को निःशुल्क बुनियादी इलाज प्रदान करेगा। केंद्र जल्द ही चालू होगा और कोविड 19 से प्रभावित लोग इससे लाभान्वित हो सकते हैं।

इस केंद्र में ऑक्सीजन के साथ 180 बेड होंगे। यहां पर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ देखभाल के लिए मौजूद होंगी, ऑक्सीजन की पूरी सहायता, आवश्यक दवाएं, पौष्टिक, स्वादिष्ट और प्रतिरक्षा बढ़ाने वाला भोजन उपलब्ध होगा और मरीजों को हाउस कीपिंग की सुविधा भी प्रदान कराई जाएगी। कोरोना के कारण लोगों को हो रही मानसिक परेशानी को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र में कुछ काउंसलर भी लाए जाएंगे, जो लोगों की मानसिक शांति का ध्यान रख सकेंगे और इससे मरीजों को शीघ्र ठीक होने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह केंद्र न केवल शारीरिक चिकित्सा बल्कि मानसिक चिकित्सा भी प्रदान करेगा जो इन कठिन समय के लिए बहुत अधिक आवश्यक है।

एबीवीपी के सदस्य दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कोविड वार्ड के अंदर पहुंचे

देहरादून, 30 अप्रैल । कोविड दिशानिर्देशों की धज्जियां उडाते हुए भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्य पीपीई किट पहनकर कथित रूप से यहां सरकारी दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के उच्च जोखिम वाले कोविड वार्ड में पहुंच गए और वहां उपचार करा रहे मरीजों को पीने के लिए फलों का जूस दिया। बृहस्पतिवार को वायरल हुए एक वीडियो में दिख रहा है कि एबीवीपी के स्टिकर लगी पीपीई किट पहनकर लोग अस्पताल के कोविड वार्ड में एक बिस्तर से दूसरे बिस्तर तक जा रहे हैं। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि वह वार्ड में उपचाराधीन मरीजों के आक्सीजन पाइप निकाल रहे हैं और उन्हें पीने के लिए जूस के गिलास दे रहे हैं। कोविड दिशा निर्देशों के अनुसार, डयूटी पर तैनात मेडिकल स्टॉफ के अतिरिक्त कोविड वार्ड में कोई अन्य प्रवेश नहीं कर सकता। दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य आशुतोष सयाना ने बताया कि एबीवीपी ने अस्पताल परिसर में व्यवस्था बनाने में प्रशासन का सहयोग करने के लिए आज्ञा ली थी।

दिल्ली में लगाया जाए राष्ट्रपति शासन AAP विधायक की हाईकोर्ट से अपील

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामलों और ध्वस्त होती स्वास्थ्य सेवाओं के बीच दिल्ली सरकार को उनके ही एक विधायक ने तगड़ा झटका दिया है। विधायक शोएब इकबाल ने बिगड़ती स्थिति को लेकर पार्टी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मटिया महल से विधायक का कहना है कि कोरोना से दिल्ली में स्थित बदतर हो गई है। उन्होंने हाईकोर्ट से अपील की है कि दिल्ली में अव्यवस्था फैल गई है और यहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। पार्टी विधायक ने कहा कि दिल्ली में कोई काम नहीं हो रहा है। दिल्ली में कोई सुनने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में न बेड है, न ऑक्सीजन है और ना दवाइयां मिल रही है। यहां कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए।

आप विधायक ने कहा कि दिल्ली में कागजों पर ही सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि मैं छह बार से विधायक हूं। मैं सबसे सीनियर विधायक हूं। कोई सुनने वाला नहीं है, कोई नोडल अधिकारी नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे में तुरंत प्रभाव से दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। आप विधायक की तरफ से राष्ट्रपति शासन की मांग पर भाजपा और कांग्रेस राष्ट्रपति शासन के समर्थन में आ गए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि शोएब इकबाल सही कह रहे हैं। स्थितियां अरविंद केजरीवाल के हाथ से बाहर निकलती जा रही है। इससे पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने भी दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी।

उन्होंने कहा कि उन्हें बेहद दुख है कि वह किसी की मदद नहीं कर पा रहे हैं। छह बार विधायक होने के बाद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं है। उनका कहना है कि वह तो यही चाहते हैं दिल्ली में तुरंत राष्ट्रपति शासन लग जाए वरना यहां लाशें बिछ जाएंगी। शोएब इकबाल ने ऐसी मांग इसलिए रखी है क्योंकि उनका कहना है कि दिल्ली को केंद्र का सहयोग नहीं मिल रहा है, अगर केंद्र के हाथ में सबकुछ आए तो काम हो पाएगा। तीन माह के लिए दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगना ही चाहिए।

मद्रास ।ष्ट की टिप्पणी पर अदालत पहुंचा चुनाव आयोग, कहा- हमारी छवि हुई खराब

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के द्वारा पूर्व में की गई टिप्पणियों के खिलाफ अदालत का रुख किया है। हाईकोर्ट ने कहा था कि चुनाव आयोग को कोरोना की दूसरी लहर के प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। आयोग के अधिकारियों को हत्या के आरोपों का सामना करना चाहिए। आयोग ने कहा है कि अदालत की इस टिपण्णी से छवि धूमिल हुई है। साथ ही मीडिया में इसको लेकर चल रहे खबर के प्रसारण पर भी रोक लगाने की मांग की है। मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष ईसीआई ने अपनी दलील में कहा है कि मीडिया को सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों द्वारा की गई मौखिक टिप्पणियों की रिपोर्ट नहीं करनी चाहिए। केवल आदेश में दर्ज टिप्पणियों की रिपोर्ट करनी चाहिए। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि मीडिया रिपोर्टों ने ईसीआई की छवि को एक स्वतंत्र संवैधानिक एजेंसी के रूप में धूमिल किया है, जिसे चुनाव संचालन की संवैधानिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को बताया है कि राजनीतिक नेता अपने कर्तव्य का निर्वहन करने

में विफल रहे हैं। आपको बता दें कि मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को देश में कोरोना की दूसरी लहर पर चुनाव आयोग की खिंचाई की थी। आयोग को संक्रमण के प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया। अदालत ने ईसी को सबसे गैरजिम्मेदार संस्था कहा था। कोर्ट ने यहां तक कहा कि ईसीआई के अधिकारियों पर हत्या के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

टीके की कमी पर बोला केंद्र, राज्यों के पास अभी वैक्सीन की 1 करोड़ से ज्यादा खुराक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी कोविड19 रोधी टीकों की एक करोड़ से ज्यादा खुराक उपलब्ध हैं और अगले तीन दिनों में उन्हें करीब 20 लाख और खुराक मुहैया करा दी जाएंगी। भारत सरकार अब तक टीके की करीब 16.33 करोड़ खुराक (163385030) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त उपलब्ध करा चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से खराब हुई खुराकों समेत कुल 153356503 खुराकों का उपभोग हुआ।

मंत्रालय ने कहा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास लगाने के लिए टीकों की एक करोड़ से ज्यादा खुराक (1,00,28,527) उपलब्ध हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अगले तीन दिनों में करीब 20 लाख (19,81,110) खुराक और उपलब्ध कराई जाएंगी। कोविड महामारी के खिलाफ जंग में भारत

सरकार की पांच सूत्रीय रणनीति में टीकाकरण महत्वपूर्ण हैं। टीकाकरण के अलावा रणनीति में जांच, निगरानी, उपचार और कोविड अनुकूल व्यवहार प्रमुख हैं।

देश में एक मई से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविड 19 रोधी टीकाकरण के तीसरे चरण के पहले कोविन डिजिटल मंच पर 2.45 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 28 अप्रैल को 1.37 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया जबकि 29 अप्रैल को 1.04 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया। मंत्रालय ने कहा है कि देश में अब तक 15.22 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया गया है। सुबह सात बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक 22,43,097 सत्र में टीके की 15,22,45,179 खुराकें दी गयी। इनमें 93,86,904 स्वास्थ्य कर्मी (एचसीडब्ल्यू) शामिल हैं जिन्होंने पहली खुराक ली है जबकि 61,91,118 स्वास्थ्य कर्मियों ने दूसरी खुराक ली है। वहीं अग्रिम मोर्चे के 1,24,19,965 कर्मियों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है जबकि 67,07,862 कर्मियों को टीके की दूसरी खुराक दी गयी है। देश में 60 वर्ष से अधिक आयु के 5,19,01,218 लोगों को पहली खुराक दी गई जबकि 1,04,41,359 लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसी तरह, 45 वर्ष से लेकर 60 वर्ष के आयु वर्ग के 5,17,78,842 लोगों को पहली खुराक दी गयी है जबकि इसी आयु वर्ग के 34,17,911 लोगों को दूसरी खुराक दी गयी है। देश में कुल टीकाकरण में महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, बिहार और आंध्र प्रदेश की भागीदारी 67.08 प्रतिशत है। देश में 24 घंटे के भीतर 21 लाख से अधिक खुराकें दी गयी। कोविड19 टीकाकरण के 104वें दिन (29 अप्रैल) तक कुल टीके की 22,24,548 खुराकें दी गई। इनमें से 12,74,803 लाभार्थियों को पहली खुराक दी गयी जबकि 9,49,745 लाभार्थियों को दूसरी खुराक दी गयी।

'लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाली विभूति के रूप में याद किये जाएंगे सोराबजी'

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन ने पूर्व एटर्नी जनरल और सुविख्यात कानूनविद सोली जहांगीर सोराबजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि मानवाधिकारों और मौलिक अधिकारों के हिमायती सोराबजी लोकतंत्र के स्तम्भों को मजबूत करने वाली महान विभूति के रूप में याद किये जाते रहेंगे। न्यायमूर्ति रमन ने शुक्रवार को जारी अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व एटर्नी जनरल सोली जहांगीर सोराबजी के निधन के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ है। न्यायिक जगत के साथ करीब 68 वर्ष के जुड़ाव में सोराबजी ने मानवाधिकारों और मौलिक अधिकारों से संबंधित वैश्विक न्यायशास्त्र को समृद्ध करने में महती भूमिका निभायी है। उन्होंने सोराबजी को प्रेस की आजादी का अगुवा बताया और कहा, उन्होंने हाल तक नित्य प्रतिदिन जटिल कानूनी मुद्दों की बारीकियों पर प्रकाश डालने के लिए मीडिया को एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया और लाखों लोगों को कानून का पाठ पढ़ाया, अन्यथा उन लोगों को न्यायिक जगत में होने वाले घटनाक्रमों के बारे में कुछ भी पता नहीं होता। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, जब से मैंने एक वकील के तौर पर प्रैक्टिस शुरू की, तब से ही उनकी कृतियों को पढ़कर, उनके व्याख्यानों को सुनकर तथा उनके दूरदर्शी नेतृत्व और परामर्श का अनुसरण करके व्यक्तिगत तौर पर बहुत कुछ हासिल किया है। न्यायमूर्ति रमन ने कहा कि मानवता और करुणा से ओतप्रोत रुख ने उनके विधिक कार्यों को भी परिभाषित किया है। उन्हें लोकतंत्र के स्तम्भों को मजबूत बनाने वाली महान विभूति के तौर पर हमेशा याद किया जाता रहेगा। मैं दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। मैं व्यक्तिगत तौर पर और सुप्रीम कोर्ट की ओर से सोली सोराबजी के परिजनों, दोस्तों एवं अनगिनत प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

कोविड-19 टीकाकरण के तीसरे चरण के लिए 2.45 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल । देश में एक मई से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविड19 रोधी टीकाकरण के तीसरे चरण के पहले कोविन डिजिटल मंच पर 2.45 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 28 अप्रैल को 1.37 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया जबकि 29 अप्रैल को 1.04 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया। मंत्रालय ने कहा है कि देश में अब तक 15.22 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया गया है। सुबह सात बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक 22,43,097 सत्र में टीके की 15,22,45,179 खुराकें दी गयी। इनमें 93,86,904 स्वास्थ्य कर्मी (एचसीडब्ल्यू) शामिल हैं

अमेरिका से चिकित्सा एवं राहत सामग्री की पहली खेप भारत पहुंची

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल। कोविड 19 महामारी से जंग में मदद के लिए अमेरिका से भेजी गयी बहुप्रतीक्षित सैकड़ों ऑक्सीजन सिलेंडर और रेगुलेटर समेत आपात चिकित्सा एवं राहत सामग्री की खेप शुक्रवार को भारत पहुंच गयी।

अमेरिकी वायुसेना के सबसे बड़े सामरिक विमानों में से एक सी5एम सुपर गैलेक्सी चिकित्सकीय उपकरण एवं अन्य राहत सामग्री लेकर दिल्ली पहुंचा। अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट किया, ''अमेरिका से आपात कोविड 19 राहत सामग्री की पहली खेप भारत पहुंच गयी है। 70 साल से अधिक के सहयोग को मजबूती मिली। अमेरिका भारत के साथ खड़ा है। हमलोग मिलकर कोविड19 के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।'' अमेरिका से बड़ी संख्या में चिकित्सा उपकरणों और अन्य सामग्री को लेकर आ रहे एक अन्य विमान के भी आज भारत

पहुंचने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर बताया कि भारत और अमेरिका के बीच स्वास्थ्य सहयोग से वैश्विक महामारी से प्रभावी तरीके से निपटने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक महत्व की रणनीतिक साझेदारी। हमारे स्वास्थ्य सहयोग से वैश्विक महामारी से प्रभावी तरीके से निपटने में मदद मिल सकती है। अमेरिका से रेगुलेटर के साथ 423 ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य चिकित्सा उपकरणों के उपहार की बहुत सराहना करता हूं।'' भारत कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से जंग लड़ रहा है ऐसे में दुनिया के कई देशों ने स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा एवं राहत सामग्री भेजने की घोषणा की है। भारत को मदद भेजने वाले अग्रणी देशों में रूस, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, बेल्जियम, रोमानिया, लक्जमबर्ग, सिंगापुर, पुर्तगाल, स्वीडन, न्यूजीलैंड, कुवैत और मॉरिशस शामिल हैं।

रूस ने बृहस्पतिवार को मुख्य रूप से ऑक्सीजन सांद्रक वाले 20 टन चिकित्सकीय ऑक्सीजन, वेंटीलेटर और चिकित्सकीय सामग्री की भारत को आपूर्ति की। रोमानिया ने शुक्रवार को भारत को चिकित्सा सामग्री भेजी। बागची ने ट्वीट किया, ''हमारे गर्मजोशी भरे एवं मित्रवत संबंध को एक बार फिर आगे बढ़ाते हुए यूरोपीय संघ के सहयोगी रोमानिया का 80 ऑक्सीजन सांद्रक एवं 75 ऑक्सीजन सिलेंडर की खेप भेजकर हमारी मदद करने के लिए शुक्रिया।''